घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 153- रविवार 05- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मालदा में ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास दिखा ड्रोन

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

कोलकाता,04 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास शनिवार दोपहर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। यह घटना मालदा जिले के मालतीपुर में उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। शनिवार को उनकी यह दूसरी जनसभा थी। इससे पहले उन्होंने मानिकचक में सभा की थी और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी जनसभा के लिए जाना था। जैसे ही वह हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही मुख्यमंत्री कुछ देर के लिए रुक गईं और मंच से ही पुलिस को मामले पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले पर पुलिस को सतर्क रहना चाहिए और इसके पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह ड्रोन कहां से आया और प्रतिबंधित वायु क्षेत्र में कैसे पहुंच गया। प्रशासन ने अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। उल्लेखनीय है कि, हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्राओं के दौरान कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डे पर उतर नहीं पाया था और लगभग 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा था। इस दौरान बेहाला उड्डयन क्लब में उतरने के कई प्रयास भी किए गए, लेकिन अंततः विमान को दमदम हवाई अड्डे पर उतारा गया। इसके बाद एक अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले में जनसभा के बाद उनका हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण नबाग्राम में निर्धारित स्थान पर नहीं उतर सका था।

ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म से जानें उम्मीदवारों की शिक्षा और आपराधिक पृष्ठभूमि : चुनाव आयोग

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 2026 के आम और उप चुनावों के दौरान उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता,आपराधिक मामले और संपत्ति संबंधी जानकारी जानने के लिए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। चुनाव आयोग के अनुसार 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात,कर्नाटक,महाराष्ट्र,नगालैंड और त्रिपुरा की 8 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण-1) के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है, जबकि पश्चिम बंगाल (चरण-2) के लिए यह तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है। मतदाता ईसीआई नेट के 'अपने उम्मीदवारों को जानें (केवाईसी)' मॉड्यूल के जरिए उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों, उनकी संपत्ति और देनदारियों,शैक्षणिक योग्यता और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों द्वारा जमा कराया गया पूरा हलफनामा (फॉर्म-26) भी डाउनलोड किया जा सकता है। ईसीआई ने बताया कि ईसीआई नेट दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी सेवा प्लेटफॉर्म है,जो 40 से अधिक ऐप और पोर्टल को एकीकृत कर एक ही मंच पर मतदाता सेवाएं उपलब्ध कराता है।

फर्जी आईपीएस बनकर ठगी और धमकी देने का सनसनीखेज मामला

एनआईए के फर्जी दस्तावेज भी बरामद

औरंगाबाद,04 अप्रैल 2026। बिहार के औरंगाबाद में फर्जी आईपीएस बनकर लोगो से ठगी किये जाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। दाउदनगर के एसडीपीओ अशोक कुमार दास ने बताया कि राजेश शुक्ला नाम का यह शख्स फर्जी आईपीएस बनकर दाउदनगर में कई लोगों के साथ ठगी की घटना को अंजाम दे चुका है। इतना ही नहीं, पुलिस ने उसके पास से कई आपत्तिजनक सामानों के साथ सीआईए और एनआईए लिखी वर्दी भी जब्त की है। दरअसल, राकेश कुमार के पास यह फर्जी आईपीएस वर्दी का धौंस दिखाकर रुपयों की ठगी कर चुका था जिसके बाद इस मामले की एक लिखित शिकायत दाउदनगर थाने में दर्ज की गयी थी। जब पुलिस ने इस मामले की पड़ताल शुरू की तब यह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। फिलहाल यह शातिर ठग पुलिस की गिरफ्त में है और पुलिस जरूरी कार्रवाई के बाद इसे जेल भेजे जाने की तैयारी में लगी हुई है।

बड़ा हादसा : दादरा नगर हवेली में फटा गैस सिलेंडर,4 लोगों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के सिलवासा में शनिवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। डेमानी रोड स्थित एक गोदाम में नाइट्रोजन गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ। इस हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 6 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। चश्मदीदों ने बताया कि धमाका इतना शक्तिशाली था कि गोदाम की छत और दीवारें उड़ गईं। धमाके की गूंज लगभग 30 मीटर के दायरे में सुनी गई, जिससे आसपास के निवासियों को भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ। सड़क पर मलबा बिखर गया और तेज़ आवाज़ के कारण पास के स्कूल के बच्चों और स्थानीय लोगों में चीख-पुकार मच गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हादसा उस समय हुआ जब गोदाम में नाइट्रोजन सिलेंडर रिफिल किए जा रहे थे। रिफिलिंग प्रक्रिया के दौरान अचानक एक सिलेंडर फट गया, जिससे पूरे गोदाम में धमाका हो गया। खबर मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुँचीं।

केरलम में एलडीएफ जाएगी,एनडीए आएगी : पीएम मोदी

मोदी बोले...कांग्रेस चाहती है खाड़ी देश भारत को दुश्मन समझें,उन्हें नाराज करने वाले बयान दे रही

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरलम के थिरुवल्ला में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन समझें। हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें, कोई ऐसा बयान दे दें जिससे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों पर मुसीबत आ जाए, इसलिए कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और कांग्रेस को मोदी को गालियां देने का मौका मिले। मैं कांग्रेस,यूडीएफ,एलडीएफ के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह पर है, चुनाव आते जाते रहेंगे लेकिन केरलम के लाखों भाई-बहन वहां हैं उनकी सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा...इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार आएगी। मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा।

मोदी बोले...केरलम को बहुत फायदा,मेरा नुकसान

पीएम मोदी ने कहा...इस चुनाव में केरलम को कुछ फ़ायदा होने की संभावना है। लेकिन मेरे लिए पर्सनली,बहुत बड़ा नुकसान होगा। आप सोच रहे होंगे कि जब मोदी को नुकसान हो रहा है तो केरलम को कैसे फायदा हो सकता है? मतल अनूप,जो यहां चुनाव लड़ रहे हैं,पिछले पांच सालों से मेरे साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरे देश में घूमकर जानकारी और जानकारी इकट्ठा की है। एक तरह से,वह मेरे पक्के साथी रहे हैं और ऐसे काम के लिए मेरे दाहिने हाथ की तरह बन गए हैं।

पीएम बोले...राज्य में डबल इंजन की सरकार से सभी रुकावटें दूर होंगी

पीएम ने कहा कि यहां सबरीमाला रेलवे प्रोजेक्ट इस इलाके में नई संभावनाएं खोल सकता है। यह सबरीमाला से सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाएगा,लोकल बिजनेस को नई रफ्तार देगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोलेगा। जब बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकार सत्ता में आएगी,तो ऐसी सभी रुकावटें दूर हो जाएंगी,यह मोदी की गारंटी है।

पीएम बोले...केरल में युवा रोजगार के लिए परेशान

आज केरलम में युवाओं का पलायन सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार के लिए इंडस्ट्री लगाने की जरूरत है। यहां सर्विस सेक्टर बने,स्टार्टअप को जगह मिले, सही वेल्यू मिले। लेकिन यहां सबसे बड़ी दीवार करप्शन और कम्युनिलज्म है। जब ये दीवार टूटेगी तभी केरलम का विकास होगा। इसके लिए एलडीएल और यूडीएल को हराना होगा।

मोदी बोले...केरल को भगवान ने बहुत संभावनाएं दी...

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे केरल को भगवान ने बहुत सारी संभावनाएं और संसाधन दिए हैं। यहां समुद्र में ब्लू इकॉनमी में मौके हैं, और टूरिज्म के क्षेत्र में बहुत सारी संभावनाएं हैं, फिर भी केरल विकास की दौड़ में दूसरे राज्यों से पीछे है।

केरल चुनाव : जेपी नड्डा का रोड शो राजग उम्मीदवारों के लिए मांगा समर्थन

नेय्याट्टिनकारा,04 अप्रैल 2026। केरल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की तरफ से नेय्याट्टिनकारा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा के नेतृत्व में रोड शो आयोजित किया गया। रोड शो के बाद अपने संबोधन में नड्डा ने राज्य की सत्ताधारी वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर हमला बोला और विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा,'एलडीएफ और यूडीएफ भ्रष्टाचार के एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ' जेपी नड्डा ने हालिया सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इसमें उच्च स्तर की साजिश है। नड्डा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से राज्य की संपत्तियों का दुरुपयोग हुआ है और राजग सरकार बनने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राज्य की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि केरल कर्ज के दलदल में फंसा हुआ है और भाजपा का विकास-प्रथम मॉडल ही इसे बदहाली से निकाल सकता है। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता के करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे रोड शो में समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। ढोल-नगाड़ों, भगवा झंडों और नारों के बीच यह रोड शो शहर के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए नेय्याट्टिनकारा बस स्टैंड तक पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान मतदाताओं से राजग उम्मीदवार चेंकल राजशेखरन नायर के लिए समर्थन मांगा गया। नड्डा ने अपने दो दिवसीय केरल दौरे के पहले दिन शुक्रवार को श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की और वट्टियूरकावु व तिरुवनंतपुरम शहर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा अटिंगल और पेरूक्काडा में जनसभाओं को संबोधित कर पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन की अपील की। नेय्याट्टिनकारा जैसे विधानसभा क्षेत्र में शीर्ष नेतृत्व की सक्रियता यह संकेत देती है कि भाजपा केरल को अहम चुनावी रणभूमि के रूप में देख रही है। यह सीट परंपरागत रूप से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच मुकाबले का केंद्र रही है, लेकिन राजग इसे त्रिकोणीय मुकाबले में बदलने की रणनीति पर काम कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि केरल में 9 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में राजग की आक्रामक प्रचार रणनीति और केंद्रीय नेताओं की सक्रिय भागीदारी ने नेय्याट्टिनकारा को सबसे चर्चित चुनावी क्षेत्रों में बदल दिया है।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में कार कुएं में गिरी,नौ की मौत

मुंबई,04 अप्रैल 2026। महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी में एक अनियंत्रित कार बीती रात कुंए में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। नासिक पुलिस की टीम ने शनिवार सुबह तक सभी शव कुएं से निकाल लिए। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि नासिक जिले के शिवाजी नगर इलाके में स्थित एक स्कूल में आयोजित प्रोग्राम में शामिल होने के लिए दरगोड़े परिवार गया था। वहां से लौटते समय शुक्रवार रात करीब 10 बजे दरगोड़े परिवार की कार अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कुआं पानी से भरा होने और रात होने की वजह से शुरू में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आई। सुबह क्रेन की मदद से डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने कार और सभी शवों को कुएं से बाहर निकाल लिया है। इस हादसे में सुनील दत्तात्रेय दरगोड़े (35), रेशमा सुनील दरगोड़े (33) के साथ राखी,आशा,माधुरी और श्रावणी दरगोड़े,सृष्टि (16), श्रेयश (11) और समृद्धि (7) की मौत हो गई है। इस घटना से पूरा गांव गम में डूब गया है।

पश्चिम रेलवे में इंटरनेट और संचार सुधारने के लिए 398 करोड़ की परियोजना मंजूर

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। रेल मंत्रालय ने पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद और रतलाम मंडलों में संचार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 398.36 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस परियोजना के तहत रेलवे ट्रैक के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाई जाएगी, जिससे तेज और भरोसेमंद संचार नेटवर्क तैयार होगा। कुल 1929 किलोमीटर रूट पर यह केबल बिछाई जाएगी, जिसमें अहमदाबाद मंडल में 1456 किलोमीटर और रतलाम मंडल में 473 किलोमीटर शामिल हैं। रेलवे के अनुसार, इस काम से ट्रेनों के संचालन में इस्तेमाल होने वाले संचार सिस्टम और मजबूत होंगे। खासकर 'कवच' जैसी आधुनिक सुरक्षा प्रणाली को लागू करने में यह काफी मददगार साबित होगा, जिससे ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह कदम भारतीय रेल को आधुनिक और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना से रेलवे का कामकाज और तेज व सुरक्षित होगा। साथ ही यात्रियों को भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी और माल ढुलाई में भी सुधार आएगा।

बिहार में ही गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य पाया : उपराष्ट्रपति

मोतिहारी,04 अप्रैल 2026। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों को संबोधित करते हुए बिहार की ऐतिहासिक और वैचारिक विरासत की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भूमि 'महान विचारों की धरती' है,जहां गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी जैसी महान हस्तियों ने ज्ञान प्राप्त कर अपने जीवन का उद्देश्य तय किया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर ही बौद्ध धर्म, जैन धर्म और समाजवादी विचारधारा ने आकार लिया।

उन्होंने जयप्रकाश नारायण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश की नैतिक और राजनीतिक चेतना को नई दिशा दी। साथ ही उन्होंने अपने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए 1974 की क्रांति में अपनी भागीदारी का भी जिक्र किया। सीपी राधाकृष्णन ने कहा, 'बिहार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी नेता दिए हैं, जिन्होंने भारत की नैतिक और राजनीतिक चेतना को आकार दिया। मैं खुद,जब 18 या 19 साल का था, तो कोयंबटूर के जिला महासचिव के तौर पर 1974 की क्रांति का हिस्सा बना। ' उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने असाधारण विकास किया है। छात्रों से उन्होंने राष्ट्रवाद को अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत तथा नैतिक समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया, जो किसी भी अनैतिक चीज़ को स्वीकार न करे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे आधुनिक क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों को देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। कार्यक्रम के बाद वे पश्चिम चंपारण के गौनाहा प्रखंड स्थित भितिहरवा गांधी आश्रम का दौरा कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

केरल में सियासी भूचाल...माकपा के बागी सुधाकरण ने राहुल गांधी संग साझा किया मंच,सीएम विजयन को बताया 'छोटा नेता'

तिरुवनंतपुरम,04 अप्रैल 2026। केरल की सियासत में इन दिनों वह हो रहा है जो फिल्मों में होता है! वामपंथ के सबसे मजबूत किलों में से एक अलप्पुझा में कुछ ऐसा हुआ है,जिसकी गूंज तिरुवनंतपुरम के सत्ता के गलियारों तक बहुत जोर से सुनाई दे रही है। दरअसल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआईएम) के कद्दावर नेता जी सुधाकरण ने बगावत की लाल झंडी उठा ली है। उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

विजयन पर बरसे सुधाकरण : जी सुधाकरण ने कहा कि मैंने कम्युनिस्ट पार्टी में 63 साल गुजारे हैं। जब मैं 15 साल का था, तब पार्टी से जुड़ा था। मेरा अपना एक लंबा राजनीतिक इतिहास है। उन्होंने कहा कि 1967 के दौर में जब वह खुद जमीन पर काम कर रहे थे, तब विजयन को त्रावणकोर और दक्षिण केरल में कोई जानता तक नहीं था। वह सिर्फ मालाबार के थालास्सेरी तक ही सीमित थे।

राहुल गांधी ने किया स्वागत : राहुल गांधी ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने मंच से सुधाकरण का गर्मजोशी से स्वागत किया। राहुल ने कहा कि आज वामपंथ अपनी विचारधारा खो चुका है और उसकी बुनियाद कमजोर हो गई है।

यही वजह है कि सुधाकरण जैसे कद्दावर और सच्चे नेताओं को कांग्रेस और यूडीएफ के साथ आना पड़ रहा है। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में माकपा ने सुधाकरण को किनारे कर दिया था, जिसके बाद से वह शांत बैठे थे।

लेकिन इस बार चुनाव से ठीक पहले उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन यूडीएफ ने तुरंत उन्हें अपना समर्थन दे दिया, जिससे अलप्पुझा की लड़ाई अब बेहद रोमांचक हो गई है।

टीएमसी का मतलब टेरर,मर्डर और क्राइम' : अनुराग सिंह ठाकुर

सिलीगुड़ी,4 अप्रैल 2026। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरते ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण और माफियागिरी चरम पर है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है, जबकि युवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। मालदा की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र था। अधिकारियों को रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ठाकुर ने दावा किया कि राज्य में हजारों करोड़ के घोटाले हुए है और मंत्रियों के घरों से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जांच एजेंसियों के काम में बाधा डाल रही है और चुनाव आयोग के अधिकारियों को डराने की कोशिश की जा रही है।

संपादकीय

लैंगिक समानता को बल देने वाली पहल

विश्व जल दिवस के अवसर पर यह लेख वैश्विक जल संकट और महिलाओं पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डालता है...दुनिया भर में करोड़ों लोग पेयजल से वंचित हैं,और पानी लाने की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं व लड़कियों पर पड़ती है,जिससे उनकी शिक्षा और अवसरों में बाधा आती है...

गर्मियां शुरू हो चुकी हैं और इसी के साथ जल संकट के दिन आने वाले है। ऐसे ही माहौल में बीते दिनों विश्व जल दिवस मनाया गया। 1993 से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जा रहा यह दिवस जल को जीवन, विकास और मानव अधिकार के रूप में स्थापित करने के वैश्विक प्रयासों का प्रतीक है, किंतु इस औपचारिकता के पीछे एक कठोर सच्चाई आज भी यथावत है। यह सच्चाई केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि रोजमर्रा के जीवन में दिखाई देती है।

फिजी के एक तटीय गांव में रहने वाली छह वर्षीय लैसानी घर के पास पानी के टैंक से वर्षा जल एकत्र करती है। वह प्लास्टिक की बोतलों में पानी भरकर घर लाती है,जहां पीने से पहले उसे उबाला जाता है। उसके परिवार के लिए वर्षा जल ही सुरक्षित पानी का मुख्य स्रोत है। इसे उपयोग योग्य बनाए रखना उनके दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि तथ्य बताते हैं कि विश्व में लगभग 1.8 अरब लोगों के घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं है।

हर तीन में से दो परिवारों में पानी लाने की जिम्मेदारी मुख्यतः महिलाओं और लड़कियों पर होती है। पानी लाने और उसके प्रबंधन में खपने वाला समय अक्सर लड़कियों की शिक्षा में बाधा,स्वास्थ्य जोखिमों में वृद्धि और सीमित अवसरों का कारण बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार वैश्विक स्तर पर महिलाएं और लड़कियां प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ घंटे पानी एकत्र करने में व्यतीत करती हैं। यह केवल समय का आंकड़ा नहीं, बल्कि वे असंख्य अवसर हैं, जो शिक्षा,कौशल विकास,मनोरंजन या आय अर्जित करने वाली गतिविधियों में परिवर्तित हो सकते थे। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि 15 वर्ष से कम आयु की लड़कियों (7 प्रतिशत) के पानी लाने की संभावना समान आयु के लड़कों (4 प्रतिशत) की तुलना में अधिक है। यह लैंगिक असमानता को उजागर करता है।

यूएन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट 2026 यह रेखांकित करती है कि जल संकट केवल संसाधनों की उपलब्धता का प्रश्न नहीं,बल्कि समान अधिकारों और अवसरों से जुड़ा हुआ एक गहरा सामाजिक प्रश्न है। घरों में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के अभाव का सबसे अधिक भार महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है,जो अधिकांश परिवारों में पानी लाने की प्राथमिक जिम्मेदारी निभाती हैं। जब सुरक्षित जल घर के निकट उपलब्ध होता है,तो लड़कियों के स्कूल में बने रहने की संभावना बढ़ती है और महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए समय मिलता है। शहरी झुग्गी बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों तथा मासिक धर्म स्वच्छता के लिए पर्याप्त जल का अभाव न केवल शारीरिक असुविधा का कारण बनता है,बल्कि महिलाओं और किशोरियों के लिए शर्मिंदगी,असुरक्षा और सामाजिक बहिष्करण की स्थिति भी उत्पन्न करता है। विडंबना यह है कि 50 से कम ही देशों में ऐसी नीतियां हैं,जो ग्रामीण स्वच्छता और जल संसाधन प्रबंधन में महिलाओं की भागीदारी का स्पष्ट उल्लेख करती हैं।

हरियाणा के विश्वविद्यालयों में भ्रष्टाचार का काला सच

चार प्रमुख विश्वविद्यालयों में वित्तीय घोटाले,भर्ती अनियमितताएं और सत्ता के दुरुपयोग ने शिक्षा व्यवस्था पर खड़े किए गंभीर सवाल...

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

हरियाणा के उच्च शिक्षा क्षेत्र में हाल ही में सामने आया भ्रष्टाचार का मामला न केवल राज्य की चार प्रमुख विश्वविद्यालयों की साख को धक्का पहुंचाने वाला है,बल्कि यह पूरे शैक्षणिक ढांचे की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है...जिन विश्वविद्यालयों का नाम इस विवाद में सामने आया है–महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक,गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय,हिसार,दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,मुरथल,और श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्व विद्यालय,कुरुक्षेत्र–ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में लंबे समय से शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं... लेकिन अब इन संस्थानों के शीर्ष पदों पर बैठे कुलपतियों पर लगे भ्रष्टाचार,वित्तीय अनियमितताओं,भर्ती घोटालों और पद के दुरुपयोग के आरोपों ने इनकी छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया है...

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा 1-2 अप्रैल 2026 को शुरू की गई जांच ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। यह केवल कुछ व्यक्तियों की कथित गलतियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह उस व्यापक प्रणालीगत विफलता की ओर इशारा करता है,जहां शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र में भी पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव दिखाई देता है। इन आरोपों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि उच्च शिक्षा संस्थानों का नेतृत्व ही संदिग्ध हो, तो वहां पढ़ने वाले छात्रों का भविष्य किस प्रकार प्रभावित हो सकता है।

सबसे चौंकाने वाला मामला दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल से जुड़ा हुआ है। यहां के कुलपति पर लगभग 50 करोड़ रुपये के छात्र कल्याण कोष के गबन का आरोप है। आरोपों के अनुसार, इस राशि को सरकारी बैंकों में उच्च ब्याज दर पर सुरक्षित रखने के बजाय निजी बैंकों में कम ब्याज पर फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश किया गया,जिससे विश्वविद्यालय को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह केवल वित्तीय लापरवाही का मामला नहीं लगता, बल्कि इसमें सुनियोजित अनियमितता की आशंका भी जताई जा रही है। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं,तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता बल्कि नैतिक पतन का भी उदाहरण होगा।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में भी गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। यहां पौधारोपण के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाले की बात कही जा रही है। कागजों में हजारों पौधों की खरीद और रोपण दिखाया गया,लेकिन वास्तविकता में इनका कोई अस्तित्व नहीं मिला। इसके अलावा, भर्ती प्रक्रियाओं में भी पक्षपात और नियमों की अनदेखी के आरोप लगे हैं, जहां योग्य उम्मीदवारों को दरकिनार कर पसंदीदा व्यक्तियों को नौकरी दी गई।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय,हिसार

में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आई हैं। यहां आरक्षण नियमों का उल्लंघन, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और बिना आवश्यक योग्यता के नियुक्तियां किए जाने के आरोप हैं। यह स्थिति न केवल संस्थान की प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाती है,बल्कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के भी खिलाफ है। इसी तरह, श्री कृष्ण आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय,कुरुक्षेत्र में भी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ियों और आरक्षण रोस्टर के उल्लंघन की शिकायतें सामने आई हैं। आयुर्वेद जैसे पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के लिए स्थापित इस संस्थान में इस प्रकार की अनियमितताएं बेहद चिंताजनक हैं।

इन सभी मामलों में एक समान पैटर्न दिखाई देता है–पद का दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताएं,और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव। यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे वर्षों से चली आ रही एक कमजोर और राजनीतिक रूप से प्रभावित प्रणाली है। हरियाणा में विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्तियां लंबे समय से राजनीतिक प्रभाव के अधीन रही हैं,जहां योग्यता और अनुभव की बजाय नजदीकी और वफादारी को प्राथमिकता दी जाती रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि संस्थानों में जवाबदेही और नैतिकता कमजोर होती गई।

जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई का स्वागत किया जाना चाहिए,लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह जांच निष्पक्ष और समयबद्ध हो। अक्सर देखा गया है कि इस प्रकार के मामलों में प्रारंभिक कार्रवाई तो होती है,लेकिन बाद में राजनीतिक दबाव या प्रशासनिक ढिलाई के कारण मामले ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, तो यह न केवल दोषियों को बचाने का काम करेगा, बल्कि जनता के विश्वास को भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

इस पूरे मामले का सबसे बड़ा प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है। विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जब संस्थान के संसाधनों का दुरुपयोग होता है, तो इसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। प्रयोगशालाओं की कमी,योग्य शिक्षकों की अनुपलब्धता, और बुनियादी सुविधाओं का अभाव छात्रों के शैक्षणिक विकास में बाधा बनता है। ऐसे में छात्रों का मनोबल गिरता है और उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित होती हैं।

हरियाणा जैसे राज्य में,जहां पहले से ही बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है,इस प्रकार के घोटाले युवाओं में निराशा और असंतोष को बढ़ाते हैं। जब उन्हें यह महसूस होता है कि मेहनत और योग्यता के बावजूद अवसर निष्पक्ष रूप से नहीं मिलेंगे,तो यह सामाजिक असंतुलन को भी जन्म देता है। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल जांच और सजा पर्याप्त नहीं है,बल्कि व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले,कुलपति और अन्य उच्च पदों पर नियुक्तियों की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाया जाना चाहिए। इसके लिए स्वतंत्र चयन समितियों का गठन किया जा सकता है, जो राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर निर्णय लें।

दूसरे,विश्वविद्यालयों में वित्तीय लेन-देन की नियमित और स्वतंत्र ऑडिटिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इससे फंड के दुरुपयोग को समय रहते रोका जा सकेगा। तीसरे, भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम हो। इसके अलावा,छात्रों और शिक्षकों को भी संस्थान के प्रशासन में अधिक भागीदारी दी जानी चाहिए, ताकि वे किसी भी गड़बड़ी के खिलाफ आवाज उठा सकें। सूचना का अधिकार और मीडिया की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है।

अंततः,यह मामला केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है। यदि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भ्रष्टाचार को नियंत्रित नहीं किया गया,तो इसका असर देश के विकास पर पड़ेगा। विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं होते,बल्कि वे समाज के बौद्धिक और नैतिक विकास के आधार होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका और समाज मिलकर इस समस्या का समाधान करें। दोषियों को कड़ी सजा दी जाए और एक ऐसी प्रणाली विकसित की जाए, जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और ईमानदारी सर्वोच्च प्राथमिकता हो। तभी हम एक मजबूत और विकसित राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं,जहां युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो।

भाजपा विचारधारा और जनसेवा की जीवंत परंपरा

हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट,मध्यप्रदेश

देश को एक समर्थ राष्ट्र बनाने की मीमांसा के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल,1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में की हुई। जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन 28, 29 और 30 दिसंबर 1980 में मुंबई में आयोजित किया गया था। अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की तथा भारतीय राजनीति को नए आयाम दिए। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में भाजपा नीत राजग शासन के दौरान रखी।

नेहरू का अधिनायकवाद

गांधीजी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाकर देश में एक नया राजनीतिक षड्यंत्र रचा जाने लगा। सरदार पटेल के देहावसान के पश्चात् कांग्रेस में नेहरू का अधिनायकवाद प्रबल होने लगा। गांधी और पटेल दोनों के ही नहीं रहने के कारण कांग्रेस नेहरूवाद की चपेट में आ गई तथा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज,राष्ट्रीय सुरक्षा पर लापरवाही,राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक विषय देश में राष्ट्रवादी नागरिकों को उद्विग्न करने लगे। नेहरूवाद तथा पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर भारत के चुप रहने से क्षुब्ध होकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने नेहरु मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया।

जनसंघ की स्थापना

इधर,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ स्वयंसेवकों ने भी प्रतिबंध के दंश को झेलते हुए महसूस किया कि संघ के राजनीतिक क्षेत्र से सिद्धांततः दूरी बनाये रखने के कारण वे अलग-थलग तो पड़े ही। साथ ही संघ को राजनीतिक तौर पर निशाना बनाया जा रहा था। ऐसी परिस्थिति में एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल की आवश्यकता देश में महसूस की जाने लगी। फलतः भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्टूबर,1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में दिल्ली के राघोमल आर्य कन्या उच्च

विद्यालय में हुई। नेहरू के अधिनायकवादी रवैये के फलस्वरूप डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कश्मीर की जेल में डाल दिया गया,जहां उनकी रहस्यपूर्ण स्थिति में मृत्यु हो गई। एक नई पार्टी को सशक्त बनाने का कार्य पं दीनदयाल उपाध्याय के कंधों पर आ गया। भारत-चीन युद्ध में भी भारतीय जनसंघ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1967 में पहली बार भारतीय जनसंघ का पं दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में भारतीय राजनीति पर लम्बे समय से बरकरार कांग्रेस का एकाधिकार टूटा। जिससे कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की पराजय हुई।

कार्यकर्ताओं की मीसाबंदी

सत्तर के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में निरंकुश होती जा रही कांग्रेस सरकार के विरूद्ध देश में जन-असंतोष उभरने लगा। जनान्दोलनों से घबराकर इंदिरा गांधी की कांग्रेस सरकार ने जनता की आवाज को दमनचक्र से कुचलने का प्रयास किया। परिणामतः25 जून,1975 को देश पर आपातकाल थोप दिया गया। देश के सभी बड़े नेता या तो नजरबंद कर दिये गए अथवा जेलों में डाल दिए गये। समाचार पत्रों पर सेंसर लगा दिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक राष्ट्रवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हजारों कार्यकर्ताओं को मीसा के तहत गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। देश में लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगा। ये जनसंघर्ष को देखते हुए इंदिरा गांधी ने 18 जनवरी, 1977 को लोकसभा भंग कर दी। दौरान जयप्रकाश नारायण के आह्वान पर एक नये राष्ट्रीय दल जनता पार्टी का गठन किया गया। आम चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई। जनता पार्टी भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई। पूर्व घोषणा के अनुसार 1 मई, 1977 को भारतीय जनसंघ ने करीब 5000 प्रतिनिधियों के एक अधिवेशन में अपना विलय जनता पार्टी में कर दिया।

प्रतिपादित पंचनिष्ठा

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपने वैचारिक दर्शन के रूप में अपनाया है। पार्टी ने अपनी पंचनिष्ठा व्यक्त की- राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतंत्र, सर्व धर्म समभाव, गांधीवादी समाजवाद तथा मूल्य आधारित राजनीति। स्तुत्य, आज भाजपा देश में एक प्रमुख राष्ट्रवादी शक्ति के रूप में उभर चुकी है। देश के सुशासन,विकास,एकता एवं अखंडता के लिए कृतसंकल्प है। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी। अतुल्य निरंतर तीसरी बार आज सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की उद्घोषणा के साथ गौरव सम्पन्न भारत का पुनर्निर्माण कर रही है। अतिरेक देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा या एनडीए सहयोगी दलों की सरकारें चतुर्दिक विकास में अग्रसर है। अभिभूत, 47 वर्ष के दल में 45 बरस के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में ध्येनिष्ठ कार्यकर्ताओं की शक्ति भाजपा लगभग 14 करोड़ सदस्यों वाली विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई।

अन्य दलों से विशिष्ट

भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं,बल्कि विचारधारा,सिद्धांत और जनसेवा की एक जीवंत परंपरा है। यह एक ऐसा संगठन है जो सत्ता को साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का माध्यम मानता है। यहां हर कार्यकर्ता राजनीति में सत्ता की चाह से नहीं,बल्कि जनसेवा के संकल्प के साथ उतरता है। यह वह संगठन है जहां परिवार नहीं, कार्यकर्ता पहचान होता है। जहां सिफारिश नहीं, बल्कि समर्पण आगे बढ़ने का मार्ग बनाता है। यही विशेषता भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से अलग और विशिष्ट बनाती है।

अफसाना

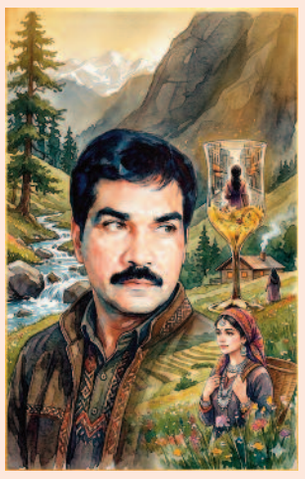

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज

खामोश दरख्तों की गवाही

केरल के घने और हरे-भरे मन्नार के जंगलों के बीच से गुज़रती वह सड़क किसी भूल-भुलैया से कम न थी। ऊंचे-ऊंचे सागवान के पेड़ और बादलों से बातें करती पहाड़ियाँ एक अजीब सा तिलस्म पैदा कर रही थीं। मेरा नाम आर्यन है, और मैं अक्सर इन रास्तों से अपनी जीप में औषधीय जड़ी-बूटियों का संग्रह करने निकलता था। उस शाम मूसलाधार बारिश ने रास्ता रोक दिया। मेरी जीप एक कीचड़ भरे मोड़ पर धंस गई। काफ़ी मशक्क़त के बाद भी जब पहिए टस से मस न हुए, तो मैंने अपने साथी राजू को गाड़ी की रखवाली के लिए छोड़ दिया। पास ही एक पुराना लकड़ी का पुल पार कर मैं मदद की उम्मीद में घने वनों के बीच बसे एक छोटे से बसेरे की ओर चल पड़ा।

वहां बाँस के झुरमुटों के बीच एक छोटा सा मिट्टी का घर था, जहाँ से ताजी कहवा (कॉफ़ी) की खुशबू आ रही थी। वहां मेरी मुलाक़ात मीरा से हुई। उसकी आँखों में वैसी ही गहराई थी जैसी उन जंगलों की रातों में होती है। वह अकेली रहती थी और मुसाफ़िरों को राह दिखाती थी। उस रात की बारिश ने मुझे वहीं रुकने पर मजबूर कर दिया। हमने सारी रात पुराने गीतों और अधूरी कहानियों के साये में गुज़ारी। जाते वक्त मैंने अपनी चांदी की नक्काशीदार चेन उसे दी और वादा किया,जब इन पेड़ों पर नए फूल खिलेंगे,मैं तुम्हें लेने आऊंगा।साल बीत गया। मैं अपनी दुनिया की मसरूफ़ियतों में ऐसा उलझा कि खुद को भूल गया, पर मीरा का वह मासूम चेहरा नहीं भुला पाया। जब मैं दोबारा उन सुंदर वनों में पहुँचा, तो मंज़र बदल चुका था। मीरा वहीं थी, पर उसकी आँखों में अब वह पहचान न थी। मैंने कहा,मीरा, मैं अपना वादा निभाने आया हूँ।

वह कुछ न बोली,बस मुस्कुराई,एक ऐसी हंसी जिसमें दर्द की परतें थीं। वह अंदर गई,वो मुझे पहचान गई थी, शायद,और एक पुराना लकड़ी का बक्सा ले आई। जब उसने उसे खोला, तो मेरी रूह कांप गई। उसमें दर्जनों वैसी ही ज़ंजीरें और धागे और अंगूठियां ओर भी कुछ ऐसे ही सामन थे भरे पड़े थे।

उसने धीमी आवाज़ में कहा, आर्यन, इस जंगल में हर मुसाफिर को लगता है कि उसका वादा सबसे अलग है। ये देखो,ये सब वही वादे हैं जो रास्तों की धूल बन गए।

मेरी आँखों में आँसू भर आए। मुझे महसूस हुआ कि वक्त ने हम दोनों के बीच एक लंबी ख़ामोशी बुन दी है। पर मेरा इरादा पक्का था। मैंने उन तमाम ज़ंजीरों के बीच से अपनी वही पुरानी चेन उठाई,वह मेरी रूह की तरह मैली हो चुकी थी पर टूटी नहीं थी। में कुछ देर के लिए बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हुआ,फिर मैंने हिम्मत की,आगे बढ़ा,मैंने उसके हाथ थामे और कहा, ये सब शायद यादें होंगी,पर मेरी चेन में आज भी उस रात की बारिश की महक है। मुझे माफ़ कर दो कि मैं देर से आया, पर मैं तुम्हें इन यादों के बक्से में क़ैद नहीं रहने दूँगा।

मीरा की आँखों से एक क़तरा गालों पर ढलक गया। उसने बक्सा बंद कर दिया और उसे ज़मीन में गाड़ दिया। वह बोली, आज इन दरख्तों ने एक सच्चा वादा मुकम्मल होते देखा है। मैंने अपनी जीप की चाबी राजू को थमा दी और उससे कहा,शहर लौट जाओ, मेरा ठिकाना अब ये खामोश दरख्त और मीरा की हंसी है।

सूरज डूब रहा था,पर उन सुंदर वनों में एक नई सुबह का आगाज़ हो रहा था। अब वहां कोई मुसाफ़िर नहीं आता था,क्योंकि उस छोटे से घर में अब एक मुसाफ़िर ने अपनी मंजिल पा ली थी। कभी-कभी ज़िंदगी पाने के लिए पुरानी दुनिया को पीछे छोड़ना ही सबसे बड़ी भावनात्मक जीत होती है।

प्यार,महोबत,इश्क

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

प्यार का कोई सही अर्थ बता सकता है क्या? मुझे लगता है कि प्यार एक खूबसूरत एहसास है जो दो तन के बीच नहीं बल्कि दो मन के बीच होता है,जहां अटूट विश्वास, अपनेपन का एहसास होता है। दुनिया के नजरों से बचाकर रखना पड़ता है, बिन कहे एक-दुसरे की बातों को समझना पड़ता है। प्यार को बस प्यार कहने से नहीं बल्कि प्यार को निभाना पड़ता है। शायद यही बात लोग अब समझते नहीं है। इसलिए मन से पहले तन को चुनते हैं और वो भूल जाते है कि जिस रूप को देखकर उसने प्यार किया वो रूप भी एक दिन ढ़ल जाएगा। अंत में व्यवहार ही काम आएगा। प्यार की कोई परिभाषा होती नहीं है, प्यार एक एहसास है। प्यार में लोभ नहीं बल्कि निस्वार्थ भाव हैं। प्यार में लुटना या लुटाना नहीं होता है,प्यार में साथ मिलकर आगे बढ़ना होता है। प्यार से ही दो दिल मिलते हैं,दिल मिलने से ही परिवार बढ़ते हैं। प्यार में जुदाई

भी होती हैं लेकिन प्यार में धोखा नहीं होता और जो कर देते हैं प्यार में धोखा समझ जाइए कि वो प्यार नहीं करते हैं।

कपास का कफन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

गुप्ता मेडिकल स्टोर के उस सबसे ऊंचे रैक पर,जहां रोशनी भी पहुंचने से कतराती थी,वह गुलाबी पैकेट पिछले बारह सालों से एक तपस्वी की तरह जमा हुआ था। उस पर जमी धूल अब महज मिट्टी नहीं,बल्कि एक ठोस पुरातात्विक परत बन चुकी थी जिसे खुरचने के लिए कार्बन-डेटिंग की जरूरत पड़ती। पैकेजिंग पर बनी उस मॉडल की मुस्कान अब फीकी पड़कर एक डरावनी रूहानी हंसी में तब्दील हो गई थी,मानो वह दुकान में आने वाले हर ग्राहक को अपनी बदकिस्मती पर चिढ़ा रही हो। जेन-जी की भाषा में कहें तो वह पैकेट उस दुकान का सबसे बड़ा रेड फ्लैग था,जो चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा था कि मेरा अंत करीब है। उसका प्लास्टिक अब इतना चिपचिपा और गल चुका था कि अगर उसे गलती से छू लिया जाए,तो उंगलियों पर एक ऐसा केमिकल अवशेष रह जाता जो शायद आवर्त सारणी के किसी तत्व से मेल न खाता। उस रैक के कोने में बैठा वह पैकेट महज एक सैनिटरी प्रोडक्ट नहीं, बल्कि बैक्टीरिया और फंगस का एक आलीशान पेंटहाउस बन चुका था, जहां नमी और सड़न ने मिलकर अपनी एक अलग ही सल्तनत कायम कर ली थी। गुप्ता जी ने उसे कभी हटाने की जहमत नहीं उठाई,क्योंकि उनके लिए वह रैक का एक हिस्सा नहीं बल्कि दुकान की नींव का पत्थर बन चुका था। उस पैकेट के भीतर का कॉटन अब रद्दी कागज की लुगदी जैसा सख्त और बेजान हो गया था,जो किसी भी जीवित त्वचा के संपर्क में आते ही उसे सैंडपेपर की तरह छील देने की कसम खा चुका था। उसकी सोखने की क्षमता अब शून्य से भी नीचे गिरकर एक ऐसे पत्थर में बदल गई थी, जिस पर पानी की एक बूंद भी गिरती तो वह शर्म से वहीं सूख जाती। वह पैकेट उस दौर का गवाह था जब इंटरनेट टूजी की रफ़्तार से रेंगता था, लेकिन आज के फाइवजी ज़माने में उसकी मौजूदगी किसी ऐतिहासिक त्रासदी से कम नहीं थी। केमिस्ट के पास जब भी कोई नया ग्राहक आता,वह पैकेट अपनी धुंधली आंखों से उम्मीद भरी निगाहों देखता कि शायद आज उसे इस नर्क से मुक्ति मिलेगी। मगर उसकी बदबू और उस पर पड़े मकड़ी के जालों को देखकर आधुनिक लड़कियां अपना मुंह फेर लेतीं और अल्ट्रा-थिन या मेंस्ट्रुअल कप्स की मांग करके गुप्ता जी के विंटेज कलेक्शन का दिल तोड़ देतीं। उस पैकेट का पोस्टमार्टम किया जाता तो पता चलता कि उसके एडहेसिव ने अपनी पकड़ कब की छोड़ दी थी और वह अब महज एक मरा हुआ अवशेष था,जिसे दुकान की शेल्फ ने जबरदस्ती कंधा दे रखा था।

एक दिन शाम के धुंधलके में एक लड़की दुकान पर आई और उसने सीधे उसी रैक की ओर इशारा किया। गुप्ता जी की आंखें चमक उठीं,उन्हें लगा कि आज उनके इस सड़े हुए खजाने का कोई कद्रदान मिल ही गया। उन्होंने बड़े जतन से उस पैकेट को उतारा,अपनी मैली रुमाल से उसकी सदियों पुरानी धूल झटकी और बड़े गर्व से उसे काउंटर पर रख दिया। लड़की ने पैकेट को हाथ में लिया, उसकी चिपचिपाहट और उस पर उगे सूक्ष्म फंगस को बड़े ध्यान से देखा। उसके चेहरे पर कोई घृणा नहीं थी, बल्कि एक अजीब सी संतुष्टि थी। उसने बिना मोलभाव किए उसकी मुंहमांगी कीमत चुकाई और पैकेट को अपने बैग में रख लिया। वह पैकेट अपनी इस अप्रत्याशित विदाई पर हैरान था, उसे लगा कि शायद अब उसका इस्तेमाल एक अंतिम विभीषिका के रूप में किया जाएगा। उसे खुशी थी कि कम से कम वह उस दम घोंटने वाले रैक से तो आज़ाद हुआ,भले ही उसका अंत किसी डस्टबिन में हो या किसी डर्मेटोलॉजिकल डिजास्टर के रूप में।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

अम्बिकापुर में यातायात थाना व नई पुलिस चौकी की मांग तेज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर में बढ़ते यातायात दबाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को देखते हुए शहर में यातायात थाना एवं नई पुलिस चौकी की स्थापना की मांग जोर पकड़ने लगी है। भाजपा पार्षद व सामाजिक कार्यकर्ता आलोक दुबे ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। पत्र में बताया गया है कि अम्बिकापुर,जो सरगुजा संभाग का प्रमुख मुख्यालय है,वहां लगातार बढ़ते वाहनों के कारण ट्रैफिक व्यवस्था चरमराती जा रही है। यातायात थाना के अभाव में आए दिन जाम की स्थिति बनती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के अन्य संभागीय मुख्यालयों में जहां यातायात थाने संचालित हैं,वहीं अम्बिकापुर में इसका अभाव गंभीर चिंता का विषय है। इसके अलावा,शहर से लगे महामाया मंदिर और खैरबार क्षेत्र को संवेदनशील बताते हुए वहां पुलिस चौकी की आवश्यकता भी जताई गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इन क्षेत्रों में बढ़ती आवाजाही के साथ मारपीट और लूटपाट जैसी घटनाएं भी सामने आती रहती हैं,जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। आलोक दुबे ने जनहित को ध्यान में रखते हुए शासन-प्रशासन से मांग की है कि अम्बिकापुर में शीघ्र यातायात थाना स्वीकृत किया जाए तथा महामाया मंदिर-खैरबार क्षेत्र में नई पुलिस चौकी स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

सड़क हादसे में एलुमिना रिफाइन कम्पनी के एजीएम की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

एनएच-43 में शुक्रवार को हुए सडक हादसे में मां कुदरगढ़ी एलुमिना रिफाइन कम्पनी के एजीएम की मौत हो गई। एजीएम हादसे के समय अपने कार्यस्थल से कार में सवार होकर वापस अंबिकापुर आ रहे थे,इसी दौरान अज्ञात ट्रक का चालक ठोकर मारकर भाग गया। शाम को जब पत्नी ने अपने पति के मोबाइल में फोन किया तो उन्होंने दुर्घटना की जानकारी दी थी। जानकारी के अनुसार रायपुर के एकता चैक लक्ष्मीनगर, टिकरापारा निवासी राजेश मिश्रा पिता शिव प्रसाद मिश्रा 45 वर्ष,रघुनाथपुर पुलिस चैकी अंतर्गत स्थित मां कुदरगढ़ी एलुमिना रिफाइन कम्पनी में एजीएम के पद पर पदस्थ थे। शुक्रवार की शाम को ड्यूटी के बाद कार से वापस अंबिकापुर आ रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाइवे-43 में लुचकी घाट, काली मंदिर के पास अज्ञात ट्रक का चालक कार को ठोकर मारकर भाग गया। हादसे के बाद वे कार में ही फंसे थे। शाम को 6.38 बजे जब उनकी पत्नी सरस्वती अपने पति के मोबाइल में फोन लगाई, तो उन्होंने एक्सीडेंट होने की जानकारी देते हुए जल्दी से अस्पताल ले जाने के लिए कहा। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान दुर्घटनाग्रस्त कार में फंसे सवार पर रास्ते से गुजर रहे मोटरसायकल सवार युवकों की नजर पड़ी और वे एजीएम राजेश मिश्रा को कार से निकालने में मदद किया,इसके बाद परिजन उन्हें होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में लेकर पहुंचे। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई थी,और स्थिति नाजुक थी। प्राथमिक चिकित्सा के बाद चिकित्सक द्वारा रेफर करने पर परिजन उन्हें मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल लेकर पहुंचे,यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शराब पीकर घर पहुंचा युवक फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बलसेड़ी की है। पुलिस ने बताया धनेश्वर पिता अंबिका प्रसाद 40 वर्ष,3 अप्रैल की शाम को शराब पीकर घर आया और पत्नी,बच्चे के साथ गालीगलौज कर रहा था। बहू और बच्चों से गालीगलौज करते देख पिता ने उसे शांत करने के लिए कहा और सभी वहां से चले गए,इसके बाद वह फांसी में फंदे में झूल गया। घर में मौजूद बेटी ने पिता को फांसी पर लटके देखा और इसकी जानकारी अपने दादा को दी थी। युवक को फांसी से उतारकर स्वजन होलीक्रॉस अस्पताल ले गए, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

अंबिकापुर में डीजीपी की उच्चस्तरीय बैठक...कानून-व्यवस्था व नक्सलवाद पर बड़ा बयान...

ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग मजबूत करने के निर्देश ड्रग्स सप्लाई रोकने के साथ मांग कम करने पर जोर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में शनिवार को पुलिस विभाग की एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम ने की।

इस दौरान सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा सहित संभाग के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक और राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संभाग की कानून-व्यवस्था,अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। डीजीपी गौतम ने थाना स्तर पर पुलिस की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरगुजा एक विस्तृत ग्रामीण क्षेत्र है,जहां कई बार पुलिस की पहुंच सीमित रह जाती है। ऐसे में पारंपरिक और व्यवहारिक पुलिसिंग तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने डीजीपी स्तर के अधिकारियों को अपने क्षेत्र और थाना की सूक्ष्म जानकारी रखने तथा सुधार करने के निर्देश दिए। वहीं, पुलिस अधीक्षकों को कम्युनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देने और रेंज आईजी को डीजीपी के कार्यों की नियमित समीक्षा करने को कहा गया।

नक्सलवाद पर बड़ा बयान : बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में डीजीपी अरुण देव गौतम ने बस्तर में नक्सलवाद को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्थिति स्पष्ट है और अब केवल कुछ इक्का-दुक्का लोग ही हथियार छोड़कर गांवों में छिपे हुए हैं। छत्तीसगढ़ की सीमा में अब कोई बड़ा हथियारबंद नक्सली समूह सक्रिय नहीं है।

नाबालिग वाहन चालकों पर सख्ती : नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मुद्दे पर डीपीपी ने कहा कि कानून काफी सख्त है। यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते पकड़ा जाता है तो वाहन मालिक पर कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस तरह के मामलों में कई कार्रवाई की जा चुकी है और हाई कोर्ट ने भी इसे गंभीरता से लिया है।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में यातायात नियमों के उल्लंघन की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसे रोकने में परिवार और स्कूलों की अहम भूमिका है।

अफीम खेती को लेकर अलर्ट : डीजीपी ने बताया कि कुछ बाहरी राज्यों के लोग छत्तीसगढ़ में जमीन किराए पर लेकर अफीम की खेती करने की कोशिश कर रहे हैं। भोले-भाले किसानों को धोखे में रखकर खेती कराई जाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस इस मामले में पूरी तरह सतर्क है और ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

ड्रग्स पर सख्ती के साथ सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर

डीजीपी ने राज्य में गांजा,अफीम और अन्य नशीले पदार्थों की सप्लाई रोकने को लेकर भी महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की सप्लाई पर नियंत्रण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी इसकी मांग को कम करना भी है। इसे केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं मानना चाहिए, बल्कि समाज को भी इसमें भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने बताया कि पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर गांजा की खेती होती थी, जिससे नक्सलियों को आर्थिक मदद मिलती थी। वर्तमान में इस पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है। हालांकि हालिया रिपोर्ट में राज्य में गांजा की खपत बढ़ने की बात सामने आई है, जो चिंता का विषय है। डीजीपीने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ को केवल ट्रांजिट रूट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर खपत बढ़ने से इसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में पुलिस और समाज दोनों को मिलकर इस पर नियंत्रण करना होगा।

अमानवीय घटना के बीच मानवता की मिसाल...

'अनोखी सोच' संस्था ने कराया सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर में घटित एक हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। गंगापुर भुईयापाड़ा की 45 वर्षीय महिला महेंद्रो बाई के साथ दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या की घटना से जहां समाज में आक्रोश और शोक व्याप्त है,वहीं इस दुःखद माहौल के बीच मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल भी सामने आई है। जानकारी के अनुसार,मृतिका के परिवार में केवल उसका एकमात्र पुत्र ही है। आर्थिक,सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों के चलते वह अपनी मां का अंतिम संस्कार करने में असमर्थ था। ऐसे कठिन समय में परिवार पूरी तरह असहाय स्थिति में था। इसी दौरान मृतिका के पुत्र को अनोखी सोच संस्था के बारे में जानकारी मिली,जो जरूरतमंद एवं असहाय लोगों के अंतिम संस्कार में सहयोग प्रदान करती है। उसने तत्काल संस्था के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू से संपर्क किया। सूचना मिलते ही संस्था के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सहायता का आश्वासन दिया। इसके बाद संस्था के सदस्यों द्वारा गंगापुर स्थित मुक्तिधाम में मृतिका का अंतिम संस्कार पूरे विधि-विधान और सम्मान के साथ संपन्न कराया गया। संस्था के सदस्यों ने न केवल अंतिम संस्कार की सभी व्यवस्थाएं संभालीं, बल्कि शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में मानसिक और सामाजिक संबल भी प्रदान किया। इस पुनीत कार्य में प्रकाश साहू,अभय साहू,पंकज चौधरी,संजु चटर्जी,मोती ताम्रकार, सुनील साहू, चंद्रप्रताप सिंह, बिट्टू मिश्रा,अजय ताम्रकार,निशांत जायसवाल सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। एक ओर जहां इस प्रकार की जघन्य घटना समाज को शर्मसार करती है, वहीं दूसरी ओर 'अनोखी सोच' संस्था का यह कार्य यह साबित करता है कि आज भी समाज में मानवता, करुणा और सहानुभूति जीवित है। संस्था की यह पहल न केवल सराहनीय है, बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश और प्रेरणा का स्रोत भी बन गई है।

अंबिकापुर में भाजपा महिला मोर्चा की सांसद से सौजन्य भेंट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

आज अंबिकापुर स्थित निवास कार्यालय में सांसद चिंतामणि महराज से भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती शुभांगी बिहाडे एवं उनकी टीम ने सौजन्य मुलाकात की।

इस दौरान महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने हाल ही में अंबिकापुर से प्रारंभ हुई दिल्ली-कोलकाता हवाई सेवा के लिए सांसद को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। महिला मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने इस नई उड़ान सेवा को क्षेत्र के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे सरगुजा अंचल के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। इस अवसर पर महिला मोर्चा की महामंत्री प्रियंका चौबे, नीलू गुप्ता, मंडल मंत्री अल्पना मिश्रा एवं किरण सोनी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

अंतराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़,तेंदुआ के खाल के तस्कर चढ़े वन विभाग के हत्थे

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-वनमंत्री छत्तीसगढ़ के निर्देशन में संगठित वन अपराध रोकथाम की संघन मोहीम चलाई जा रही है। वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो मध्य क्षेत्र भोपाल, राज्य उड़नदस्ता दल रायपुर और वनमण्डल बलरामपुर की संयुक्त टीम ने 02 अप्रैल 2026 को ग्राम जामई थाना बसंतपुर, जिला बलरामपुर में छापा मारकर 02 मोटरसाइकिल वाहन से 08 व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की। जांच में 02 नग तेंदुआ के खाल (चमड़ा) जप्त किए गए।

पुलिस ने 09 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें जगबीर सिंह, तेजबली प्रताप सिंह, श्यामसुन्दर, शिवधन, रामतरास, राहुल, रामप्रसाद, गोरेलाल बोब और उमेश कुमार शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ वन्य प्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत कार्रवाई की गई और उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

सरकार की नीतियों पर कांग्रेस का हमला हेमंत तिवारी ने लगाए गंभीर आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कांग्रेस नेता व वरिष्ठ अधिवक्ता हेमंत तिवारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए आम जनता के साथ 'धोखा और लूट' का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के माध्यम से नई-नई प्रक्रियाएं लागू कर जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाया जा रहा है। श्री तिवारी ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन चालान व्यवस्था के जरिए बिना जानकारी के ही नो-एंट्री, ओवरस्पीडिंग और अन्य मामलों में फर्जी प्रकरण बनाकर जुर्माना वसूला जा रहा है। साथ ही कर्मचारियों द्वारा धमकाकर अवैध वसूली के मामले भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने बिजली विभाग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर मनमाने बिल भेजकर आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। वहीं वाहन खरीद के समय रोड टैक्स लेने के बावजूद टोल टैक्स और ईंधन में अतिरिक्त टैक्स वसूली को उन्होंने 'दोहरी मार' बताया। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पर्यावरण,खनिज,राजस्व और पुलिस विभाग की प्रक्रियाएं आम जनता और छोटे व्यापारियों के लिए जटिल होती जा रही हैं। वन विभाग की अनुमति में आम लोगों को कठिनाई होती है, जबकि उद्योगपतियों को बड़े पैमाने पर पेड़ कटाई की अनुमति आसानी से मिल जाती है। श्री तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा,स्वास्थ्य,सड़क,बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देने में असफल रही है,जबकि जनता से टैक्स लगातार वसूला जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जनहित में नीतियों की समीक्षा कर आम जनता को राहत दी जाए।

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के विरोध में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के विरोध में सरगुजा जिला महिला कांग्रेस ने आज जिलाध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है। बीती रात ही माँ महामाया प्रवेश द्वार के पास अपराधियों ने एक महिला के साथ दुराचार के बाद उसकी सरेराह हत्या कर दी।

इस महिला के साथ जो जघन्य वारदात हुई वो दिल्ली में हुए निर्भया कांड की याद दिलाती है। ऐसा नहीं है कि ये कोई पहली घटना है। दशहरा के दिन शहर के एक पेट्रोल पंप पर एक युवती की सरेआम हत्या कर दी गई है। हाल ही में मणिपुर थाना के पास ऐसी ही परिस्थितियों में एक महिला का शव मिला था। इन अपराधों के विरोध में महिला कांग्रेस ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर जाकर आमजन से उनका हस्ताक्षर प्राप्त कर उसे देश की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी को प्रेषित करने का निर्णय लिया है। महिला कांग्रेस 11 मीटर की श्वेत साड़ी पर आमजन के हस्ताक्षर को प्राप्त करेगी। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती सीमा सोनी ने कहा कि साड़ी भारतीय महिलाओं के लिए मात्र परिधान ही नहीं साथ ही साथ उनके आत्मसम्मान, गरिमा, शालीनता, सुरक्षा का भी प्रतीक है और सरगुजा की खराब कानून व्यवस्था महिलाओं के इसी प्रतीक का चीरहरण कर रही है। इस लिए हमने साड़ी को हस्ताक्षर अभियान का प्रतीक बनाया है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों में सबसे बड़ा योगदान शहर की गली गली में पल रहे नशे के अवैध कारोबार का है। इसपर लगाम लगाने के लिए महिला कांग्रेस ने 2 माह पूर्व ही पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा था। लेकिन पुलिस ने इसको लेकर कोई कार्यवाही नहीं की जिसका परिणाम सामने है। महीला कांग्रेस का यह हस्ताक्षर अभियान शाम 4 बजे से साढ़े छह बजे तक घड़ी चौक से अम्बेडकर चौक तक चल। उनके इस अभियान की हौसलाअफजाई के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि टी एस बाबा के अम्बिकापुर का विधायक रहते इस शहर और जिला और संभाग में अपराधों और अपराधियों पर लगाम थी।

एक जनप्रतिनिधि होने के नाते वे निरंतर कानून व्यवस्था की स्थिति पर कड़ाई से नजर रखते थे। लेकिन 2023 के चुनावों के बाद इस क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति में जो गिरावट आई है उसके कई दुष्परिणामों में से एक घटना बीती रात हुई जो दिल्ली के निर्भया कांड जैसी ही है।

महिला कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान को आमजन विशेष तौर पर महिलाओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। वे स्वेच्छा से इस अभियान में सहभागिता दे रही हैं। इस दौरान महिला कांग्रेस नित शर्मा, प्रीति सिंह, मालती सिंह, गीता प्रजापति, शमा परवीन, गीता श्रीवास्तव, नुजहत फातिमा, गीता रजक, हीरो बड़ा, चित्रा मिश्रा, मेघा खांडेकर, सपना सिंह, मंजू मुखर्जी, साधना कश्यप, अनिता मिंज, अनिता सिन्हा, उर्मिला विश्वास, अनिता सिंह, अनुराध सिंह, पूर्णिमा सिंह, ममता सिंह, मुन्नी देवी, शिप्रा शर्मा, अनीता रजक, शोभा शर्मा, प्रतिमा सोनी, सोमा मुखर्जी, चन्दरवासव सिंह, नीला तिर्की, निशात अंजुम, अंजली रजक, लक्ष्मी रजक , रंजू सिंह आदि मौजूद थी।

रायगढ़ एवं जशपुर जिले के दो गांजा सप्लायर को 14 किलो गांजा के साथ संभागीय आबकारी उड़नदस्ता ने किया गिरफ्तार....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

नशे के सौदागरों पर संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा टीम की जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। जिला आबकारी अधिकारी इंद्रबली सिंह मार्कण्डेय के मार्गदर्शन में एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी उड़नदस्ता टीम की लगातार कार्यवाही से नशे के सौदागरों में हड़कंप मचा हुआ है। कल दिनांक 03-04-26 को शाम को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि जिला रायगढ़ एवं जशपुर के सप्लायर लोग थाना सीतापुर अंतर्गत राधापुर बेरियर के आस-पास भारी मात्रा में गांजा की सप्लाई करने वाले हैं..सूचना यह भी मिली कि उनमें से एक के पास सफेद रंग की पल्सर बाईक भी होगी जिसका नंबर CG13BB 9565 है..आबकारी उड़नदस्ता की टीम देर शाम से ही सिविल ड्रेस में राधापुर बैरियर के आस-पास घेराबंदी कर निगरानी रखी हुई थी लगभग रात्रि 9 बजे के आस पास दो पल्सर बाइक में 5 लोग राधा पुर बैरियर से बनेया रोड में सुनसान जगह पर जाकर खड़े हुए। आबकारी उड़नदस्ता की टीम चारों तरफ से आगे बढ़ी। अचानक सभी बाइक सवार भागने लगे। रात्रि का फायदा उठाकर तीन लोग भाग गए तथा दो लोगों को पकड़ा जा सका। जो दो लोग पकड़े गए उन्होंने अपना नाम टीकेश्वर यादव निवासी लैलूंगा जिला रायगढ़ तथा खिलेश्वर यादव निवासी राजाआमा जिला जशपुर बताया..भागने वाले तीनों आरोपी का नाम दीनू यादव,किशोर पैकरा एवं प्रदीप यादव है। तीनों राजाआमा थाना बागबहार जिला जशपुर के रहने वाले है।। जो दो लोग पकड़े गए उन दोनों के पास पिट्ठू बैग में 7-7 पैकेट गांजा कुल 14 किलो मादक पदार्थ गांजा जब्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 सी के तहत कार्रवाई की गई..पकड़े गए कुल गांजे की कीमत लगभग तीन लाख रुपए है।।

तथा पकड़े गए दो बाइक की कीमत पांच लाख रुपए है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जशपुर एवं रायगढ़ जिला गांजा की तस्करी के लिए कुख्यात है क्योंकि दोनों जिला का बॉर्डर ओड़िशा राज्य से लगा हुआ है ओड़िशा राज्य गाँजा की खेती के लिए कुख्यात है।। रायगढ और जशपुर जिले के कुछ लोग इसी बॉर्डर का फायदा उठाकर गांजे का धड़ल्ले से व्यापार करते हैं।। उड़ीसा में गाँजा बहुत सस्ता है उसी सस्ते गांजे को लोग छत्तीसगढ़ में महंगे रेट में बेचकर काफी मुनाफा कमाते हैं।

कोरिया कांग्रेस में अशोक जायसवाल की बढ़ती स्वीकार्यता...क्या बदल रहा है सियासी परिदृश्य?

कोरिया कांग्रेस में उभरता चेहरा : अशोक जायसवाल की बढ़ती स्वीकार्यता ने बदले सियासी समीकरण

- गुटबाजी के दौर में एकजुटता की कोशिश,कोरिया में अशोक जायसवाल पर बढ़ा भरोसा
- सरल स्वभाव,मजबूत पकड़,क्यों बढ़ रही है अशोक जायसवाल की लोकप्रियता
- 2028 से पहले कांग्रेस में हलचल,कोरिया में अशोक जायसवाल बने केंद्र बिंदु
- धोखे के बाद भी वफादारी का फल,कांग्रेस में मजबूत हो रहे अशोक जायसवाल
- जनसंपर्क, सक्रियता और सरलता,अशोक जायसवाल की राजनीति का नया मॉडल
- कोरिया कांग्रेस को मिला नया चेहरा या फिर अस्थायी लहर?
- बैकुंठपुर में बदलते समीकरण, अशोक जायसवाल की सक्रियता से बढ़ी उम्मीदें
- हर कार्यक्रम में मौजूदगी,हर दिल में जगह,अशोक जायसवाल की बढ़ती पकड़
- गुटबाजी से एकजुटता तक : कोरिया कांग्रेस में बदलाव की कहानी
- क्या 2028 की तैयारी में सबसे आगे हैं अशोक जायसवाल?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले की राजनीति इन दिनों एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है,लंबे समय से गुटबाजी, निष्क्रियता और आंतरिक मतभेदों से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में अब एक नई हलचल देखने को मिल रही है,इस हलचल के केंद्र में हैं अशोक जायसवाल,जिनकी स्वीकार्यता पार्टी के भीतर और बाहर दोनों स्तर पर तेजी से बढ़ती दिख रही है,यह बदलाव अचानक नहीं है,बल्कि इसके पीछे कई राजनीतिक,सामाजिक और व्यक्तिगत कारण जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि आज कोरिया कांग्रेस की चर्चा में सबसे प्रमुख नाम अशोक जायसवाल का बन गया है।

सरलता और सहजता... राजनीतिक पूंजी का आधार

राजनीति में अक्सर बड़े पद,संसाधन और संगठनात्मक ताकत को सफलता का आधार माना जाता है,लेकिन कई बार व्यक्तित्व ही सबसे बड़ा हथियार बन जाता है, अशोक जायसवाल के मामले में यही बात सामने आती है,उनका सरल स्वभाव,सहज व्यवहार और बिना किसी दिखावे के लोगों के बीच पहुंचने की शैली उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। वे न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं बल्कि आम जनता के बीच भी आसानी से संवाद स्थापित कर लेते हैं,ग्रामीण इलाकों में जहां नेता और जनता के बीच दूरी एक बड़ी समस्या बन जाती है,वहां अशोक जायसवाल का सीधा संवाद उन्हें लोकप्रिय बना रहा है। लोग उन्हें 'अपने बीच का नेता' मानने लगे हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी वफादारी

राजनीति में निष्ठा अक्सर परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है,लेकिन अशोक जायसवाल ने इसके विपरीत उदाहरण प्रस्तुत किया है,नगर पालिका चुनाव के दौरान पार्टी के भीतर हुए मतभेद और कथित धोखे के बावजूद उन्होंने कांग्रेस का साथ नहीं छोड़ा,उस समय यह माना गया कि यदि वे चाहते तो अलग रास्ता चुन सकते थे,लेकिन उन्होंने संगठन के साथ बने रहने का निर्णय लिया,यह निर्णय आज उनके लिए सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी साबित हो रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता दोनों ही इस बात को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं कि कठिन समय में भी उन्होंने पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखी।

गुटबाजी से जूझती कांग्रेस और नई उम्मीद...

कोरिया जिले में कांग्रेस लंबे समय से गुटबाजी का शिकार रही है, अलग-अलग समूहों में बंटी पार्टी कई बार चुनावी मैदान में कमजोर साबित हुई,2023 के विधानसभा चुनाव में बैकुंठपुर सीट पर कांग्रेस को मिली करारी हार ने इस गुटबाजी को और उजागर कर दिया। यह हार केवल चुनावी पराजय नहीं थी, बल्कि संगठन की कमजोरी का भी संकेत थी,ऐसे समय में अशोक जायसवाल का उभरना पार्टी के लिए एक नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है,वे लगातार सभी गुटों को साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं और फिलहाल इसमें उन्हें सफलता भी मिलती नजर आ रही है।

जनसंपर्क अभियानः रणनीति या स्वभाव? अशोक जायसवाल की बढ़ती सक्रियता को केवल राजनीतिक रणनीति कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, यह उनके स्वभाव का भी हिस्सा है, वे लगातार क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं, छोटे-बड़े कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं और लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं, धार्मिक आयोजनों से लेकर सामाजिक कार्यक्रमों तक उनकी उपस्थिति लगातार देखी जा रही है, दुर्गा पूजा, कथा कार्यक्रम,सामाजिक बैठकें और हाल ही में हनुमान जयंती के अवसर पर उन्होंने लगभग पूरे विधानसभा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई,यह सक्रियता केवल दिखावे तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उनका जनसंपर्क वास्तविक रूप से मजबूत हो रहा है।

भौगोलिक स्थिति और जनसंपर्क की सहजता- बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है, यह क्षेत्र ऐसा है जहां अपेक्षाकृत कम समय में अधिक लोगों तक पहुंचा जा सकता है,अशोक जायसवाल इस स्थिति का प्रभावी उपयोग करते नजर आ रहे हैं, वे कम समय में अधिक से अधिक गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं,जिससे उनका जनसंपर्क तेजी से बढ़ रहा है।

अन्य नेताओं से अलग छवि- राजनीति में छवि का बहुत महत्व होता है, अशोक जायसवाल की छवि एक शांत, स्थिर और सहज नेता की बन रही है,वे बिना किसी आक्रामक बयानबाजी के अपनी बात रखते हैं और विवादों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, उनकी यह शैली उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है, जहां अक्सर आक्रामक राजनीति देखने को मिलती है।

एकजुटता कितनी स्थायी? हालांकि वर्तमान में कांग्रेस एकजुट नजर आ रही है, लेकिन यह एकजुटता कितनी स्थायी होगी, यह एक बड़ा सवाल है,राजनीति में चुनाव नजदीक आते ही गुटबाजी का उभरना आम बात है,ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अशोक जायसवाल इस एकजुटता को कितने समय तक बनाए रख पाते हैं,यदि वे इसमें सफल होते हैं, तो यह कांग्रेस के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत होगा।

युवा कांग्रेस का समर्थन

राजनीति में युवाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है और जो नेता युवाओं को साथ जोड़ने में सफल होता है, वह लंबे समय तक प्रभावी बना रहता है, अशोक जायसवाल के साथ युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है,वे न केवल कार्यक्रमों में उनके साथ मौजूद रहते हैं,बल्कि जनसंपर्क अभियान में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, इससे यह संकेत मिलता है कि उनकी स्वीकार्यता केवल वरिष्ठ नेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि युवा वर्ग भी उन्हें पसंद कर रहा है।

2028 चुनाव की तैयारी के संकेत

हालांकि विधानसभा चुनाव 2028 में होने हैं, लेकिन राजनीतिक गतिविधियां अभी से तेज होती नजर आ रही हैं,अशोक जायसवाल की बढ़ती सक्रियता को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है,बैकुंठपुर विधानसभा से उनकी दावेदारी की चर्चा भी तेज हो चुकी है,उनकी लगातार मौजूदगी,संगठन को मजबूत करने के प्रयास और जनसंपर्क अभियान यह संकेत देते हैं कि वे चुनावी तैयारी में जुट चुके हैं, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह सक्रियता इसी तरह बनी रहती है, तो वे पार्टी के मजबूत दावेदारों में शामिल हो सकते हैं।

चुनौतियां भी कम नहीं

अशोक जायसवाल के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं,पार्टी के भीतर संभावित दावेदारों की संख्या बढ़ सकती है, गुटबाजी फिर से उभर सकती है,विपक्ष की राजनीतिक रणनीतियां भी प्रभाव डाल सकती हैं,इन सभी चुनौतियों के बीच अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखना उनके लिए एक बड़ी परीक्षा होगी।

क्या कांग्रेस को मिल गया नया चेहरा?

कोरिया जिले की राजनीति में अशोक जायसवाल की बढ़ती स्वीकार्यता एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, उनकी सरलता, वफादारी, सक्रियता और जनसंपर्क ने उन्हें एक मजबूत नेता के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है,यदि वे पार्टी को एकजुट रखने और अपनी सक्रियता को बनाए रखने में सफल रहते हैं,तो आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं,फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि कोरिया कांग्रेस में बदलाव की बयार चल चुकी है और इस बदलाव के केंद्र में अशोक जायसवाल का नाम प्रमुखता से उभरकर सामने आ रहा है।

अम्बिकापुर में महिला की हत्या,पुलिस ने बनाई 4 विशेष टीमें-आरोपी फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के सदभावना चौक रिंग रोड स्थित टीटीएस फ्रेश फिश कंपनी के झाला में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। यह घटना 3 अप्रैल 2026 की है,जिसकी सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा रेंज के डीआईजी एवं एसएसपी राजेश कुमार अग्रवाल स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मामले को संवेदनशील मानते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कोतवाली थाना,साइबर सेल सहित कुल 4 विशेष टीमों का गठन किया,जिन्हें मृतिका की पहचान और आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान पुलिस ने मृतिका की पहचान कर ली,जिसकी पुष्टि परिजनों द्वारा भी कर दी गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें मृतिका एक संदिग्ध व्यक्ति के साथ जाती हुई दिखाई दी। जांच में संदिग्ध की पहचान पांडा उर्फ मिथुन के रूप में हुई है, जो मृतिका के संपर्क में था और उसके साथ अक्सर देखा जाता था। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि घटना के बाद उसने एक अन्य घूमंतु महिला से तंबाकू लेकर खाया था। फिलहाल पुलिस टीम द्वारा आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी के पास आरोपी से संबंधित कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी हो,तो तुरंत नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें– थाना कोतवालीः 9479193508 कंट्रोल रूम अम्बिकापुरः 9479193599।

राजपुर स्वास्थ्य केंद्र उन्नयन की मांग पर शासन गंभीर

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप-जिला अस्पताल में उन्नयन की मांग पर मुख्यमंत्री सचिवालय ने संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह पहल क्षेत्र के पत्रकार एवं सामाजिक प्रतिनिधि अभिषेक कुमार सोनी के आवेदन के बाद हुई है। आवेदन में राजपुर क्षेत्र की दुर्गमता,1 से 2 लाख आबादी की निर्भरता, विशेषज्ञ डॉक्टरों और आवश्यक सुविधाओं की कमी को प्रमुखता से उठाया गया है। अंबिकापुर की दूरी और खराब मार्ग के कारण गंभीर मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। सचिवालय ने नियमानुसार कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और जनदर्शन पोर्टल में जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों में उम्मीद है कि उन्नयन से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी और रेफरल की समस्या कम होगी।

हाथियों के हमले से 14 वर्षीय किशोरी की मौत

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिनिया के चिड़िया मोड़ में एक हृदय विधायक घटना सामने आई है जंगली हाथियों के हमले से 14 वर्ष से किशोरी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दशक का माहौल व्यापक हो गया है।

महुआ चुन्नी गई थी किशोर या अचानक हुआ हमला : प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक किशोरी की पहचान पिंकी कुमारी 14 वर्ष पिता मुंबई या निवासी बंदरिया के रूप में हुई है वह अपने रिश्तेदारों के यहां ग्राम चिनिया आई हुई थी शनिवार सुबह करीब 6:00 बजे वह जंगल में महुआ चुन्नी गई थी तभी करीब 22 हाथियों का झुंड ने उसे पर अचानक हमला कर दिया हमले में किशोरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

तीन दिनों से क्षेत्र में घूम रहा था हाथियों का झुंड : प्रत्यक्ष दर्शन के अनुसार हाथियों का यह दल पिछले तीन दिनों से लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहा था इससे पहले ही ग्रामीणों में भाई का माहौल बना हुआ था घटना के समय पास में मौजूद महावीर गंज का एक व्यक्ति किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधि और वन विभाग

घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि ब्रह्मदेव सिंह और सुदामा यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे वहीं वन विभाग की टीम भी तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक कार्य कार्यवाही शुरू की।

ग्रामीणों में दहशत सुरक्षा की मांग

इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में दशरथ का माहौल है ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जंगली क्षेत्र में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा के ठोस इंतजाम किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह के घटनाओं का पुनरावृत्ति रुकी जा सके।

नाबालिग लड़की से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
बतौली,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

थाना बतौली पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी सलीम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। मामले के अनुसार,15 मार्च 2026 को थाना बतौली में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग बेटी 14 मार्च को घर से बिना बताए गायब हो गई है। रिपोर्ट पर थाना बतौली में अपराध क्रमांक 31/26 के तहत धारा 137(2) बी.एन.एस. का मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने सतत प्रयासों से नाबालिग लड़की को रैरुमाखुर्द, धरमजयगढ़ क्षेत्र से बरामद किया। पूछताछ में लड़की ने बताया कि आरोपी सलीम ने उसे प्यार जताते हुए शादी करने का झांसा देकर बहला-फुसलाया और जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी की पहचान सलीम, पुत्र दिनेश, उम्र 18 वर्ष, निवासी चरखापारा, रैरुमाखुर्द,थाना धरमजयगढ़, जिला रायगढ़ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने घटना को स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 64(2)(एम), 65, 69 बी.एन.एस. तथा पोक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 जोड़ दी।

शिक्षकों के हित में 5 अप्रैल को रायपुर में टीचर्स एसोसिएशन की आमसभा

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा शिक्षकों की समस्याओं और भविष्य की रणनीति तय करने के लिए 5 अप्रैल 2026 को रायपुर के विमतारा भवन (शांति नगर) में आमसभा आयोजित की जाएगी। बैठक में पेंशन,क्रमोन्नति-पदोन्नति और प्रशिक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने सभी पदाधिकारियों और शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने 'जीरो पेंशन' की समस्या को गंभीर बताते हुए एकजुटता पर जोर दिया। प्रदेश महामंत्री रंजय सिंह, प्रचार सचिव अजय सिंह और जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह ने इसे शिक्षकों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण बैठक बताया है।

अम्बिकापुर में दो दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला सम्पन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम द्वारा मुहिम फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीएसडीएस नई दिल्ली से आए कवि मृत्युंजय ने रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रतिभागियों को कविता और कहानी लेखन के गुर सिखाए।

चार सत्रों में चली इस कार्यशाला में पहले दो सत्रों में कविता व कहानी के इतिहास, निर्माण प्रक्रिया और लेखन की बारीकियों पर चर्चा हुई। तीसरे सत्र में 21 प्रतिभागियों ने अपनी रचनाएं सुनाईं, जिनमें कई ने शानदार प्रतिभा का परिचय दिया। अंतिम सत्र में कवि मृत्युंजय ने हर रचना पर विस्तृत सुझाव दिए और सुधार का समय प्रदान किया। प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की प्रशंसा की और कहा कि रचनात्मक लेखन व्यक्ति की सोच व कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसी कार्यशालाएं आयोजित करने का आश्वासन दिया। कॉलेज कल्चर एंड क्रिएटिविटी फोरम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह और मुहिम फाउंडेशन के ऋषिकेश ठाकुर ने कार्यशाला को सफल बताया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताते हुए निरंतर आयोजन की मांग की। कार्यक्रम का संयोजन ऋषिकेश ठाकुर,डॉ. कामिनी और रोज एक्का द्वारा किया गया।

ओपन परीक्षा में नकल का खेल बेनकाब

देवाडांड-खड़गवां केंद्रों पर सेटिंग से पास कराने के आरोप

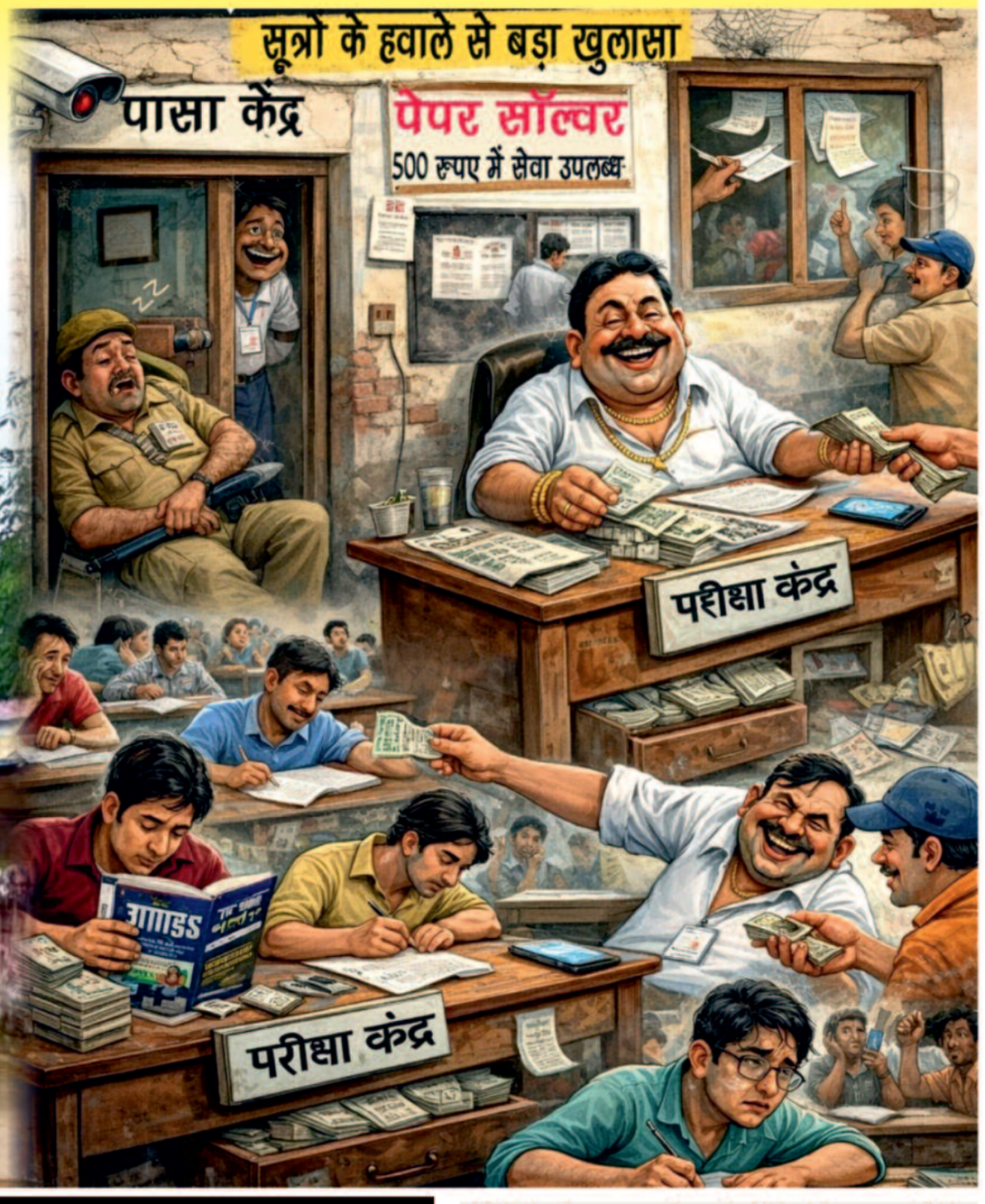

परीक्षा केंद्र बने नकल के अड्डे!

देवाडांड और खड़गवां में खुलेआम धांधली

- पैसे दो,पास हो जाओ! ओपन परीक्षा में सेटिंग का संगठित खेल उजागर
- ईमानदार छात्रों के साथ अन्याय : ओपन परीक्षा में नकल और सेटिंग का बोलबाला
- उड़नदस्ता नदारद,नकल जारी : देवाडांड-खड़गवां केंद्रों की व्यवस्था पर सवाल
- ओपन परीक्षा में गड़बड़ी की आशंकाः नकल, सेटिंग और निगरानी पर उठे सवाल

■ सूत्रों के हवाले से बड़े पैमाने पर नकल,केंद्र प्रबंधन और बाहरी लोगों की भूमिका पर गंभीर सवाल,शिक्षा व्यवस्था की साख दांव पर

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

ओपन स्कूल परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, विकासखंड खड़गवां के अंतर्गत देवाडांड और खड़गवां परीक्षा केंद्रों से सामने आ रही सूचनाओं ने पूरे शिक्षा तंत्र को कटघरे में ला खड़ा किया है।

सूत्रों के अनुसार इन केंद्रों में खुलेआम नकल कराए जाने के साथ-साथ सेटिंग के जरिए परीक्षार्थियों को पास कराने का संगठित खेल चल रहा है। यदि यह आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल परीक्षा नियमों का उल्लंघन नहीं,बल्कि शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सीधा आघात है।

उड़नदस्ता व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

जानकारी के अनुसार विकासखंड खड़गवां के विकास खंड शिक्षा अधिकारी को उड़नदस्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है, लेकिन उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के कई प्रयासों के बावजूद उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि संबंधित अधिकारी वर्तमान में छत्तीसगढ़ से बाहर हैं, ऐसे में यह बड़ा प्रश्न खड़ा होता है कि परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण आखिर कौन कर रहा है? यदि अधिकारी मुख्यालय में उपस्थित नहीं हैं और किसी अन्य को जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है, तो यह प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला बनता है।

जिला शिक्षा अधिकारी का पक्ष

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मिरे से जानकारी लेने पर उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा विकास खंड शिक्षा अधिकारी को उड़नदस्ता नियुक्त किया गया है, यदि नकल की कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी, हालांकि, इस बयान के बाद भी सवाल बना हुआ है कि जब मौके पर अनियमितताओं की चर्चाएं हैं, तो सक्रिय निगरानी क्यों नहीं हो रही है।

जांच से हो सकता है बड़ा खुलासा

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का मानना है कि यदि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए,तो कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं,विशेष रूप से सीसीटीवी फुटेज,ड्यूटी रजिस्टर,प्रवेश नियंत्रण और उड़नदस्ता निरीक्षण रिपोर्ट की गहन जांच आवश्यक है, लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए,ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रशासन के लिए प्रमुख जांच बिंदु

- देवाडांड और खड़गवां परीक्षा केंद्रों में नकल की शिकायतें
- सेटिंग और सुविधा शुल्क की सत्यता
- परीक्षा केंद्रों में बाहरी लोगों की भूमिका
- उड़नदस्ता और पर्यवेक्षण व्यवस्था की सक्रियता
- सीसीटीवी फुटेज और ड्यूटी रजिस्टर की जांच
- परीक्षा केंद्रों में प्रवेश और निगरानी प्रणाली

शिक्षा व्यवस्था की साख बचाने की चुनौती

देवाडांड और खड़गवां परीक्षा केंद्रों से सामने आए ये आरोप केवल स्थानीय स्तर की समस्या नहीं हैं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं, यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए,तो यह प्रवृत्ति और अधिक बढ़ सकती है,जिससे शिक्षा व्यवस्था की साख को अपूरणीय क्षति पहुंच सकती है,अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या दोषियों पर ठोस कार्रवाई की जाती है या नहीं।

केंद्रों में खुलेआम नकल,नियम सिर्फ औपचारिकता तक सीमित

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कई परीक्षा कक्षों में परीक्षार्थियों को खुले तौर पर नकल सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है,इसमें किताबें,हल प्रश्नपत्र और अन्य संदिग्ध माध्यम शामिल हैं,स्थिति यह है कि परीक्षा कक्ष में मौजूद जिम्मेदार कर्मचारियों की उपस्थिति के बावजूद नियमों का पालन नहीं हो रहा है,यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब परीक्षा केंद्रों में निगरानी के लिए पर्यवेक्षक,केंद्राध्यक्ष और अन्य व्यवस्थाएं मौजूद हैं,तो इतनी बड़ी लापरवाही या मिलीभगत कैसे संभव हो रही है?

सेटिंग का संगठित खेल : सुविधा शुल्क लेकर पास कराने के आरोप

सूत्रों के अनुसार कुछ परीक्षा केंद्रों में पहले से सेटिंग कर छात्रों को पास कराने का खेल चल रहा है,बताया जा रहा है कि कुछ परीक्षार्थियों से सुविधा शुल्क लेकर उन्हें नकल करने की खुली छूट दी जाती है,जिससे वे आसानी से परीक्षा पास कर सकें,यह स्थिति अत्यंत गंभीर है,क्योंकि इससे परीक्षा की निष्पक्षता पूरी तरह समाप्त हो जाती है और योग्य एवं मेहनती छात्रों के अधिकारों का हनन होता है।

बाहरी लोगों की संदिग्ध भूमिका,सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

परीक्षा केंद्रों के आसपास बाहरी लोगों की आवाजाही भी संदेह के घेरे में है, सूत्रों का कहना है कि कई स्थानों पर मोबाइल फोन और पर्चियों के माध्यम से उत्तर पहुंचाए जा रहे हैं,यदि यह सही है,तो यह स्पष्ट संकेत है कि परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह कमजोर है और नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित रह गया है।

ईमानदार विद्यार्थियों के साथ अन्याय

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे नकारात्मक प्रभाव उन छात्रों पर पड़ रहा है, जो मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा दे रहे हैं,नकल और सेटिंग के चलते परीक्षा परिणाम प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है,जिससे योग्य छात्रों का मनोबल टूटता है और उनके भविष्य पर भी असर पड़ता है,यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था के मूल उद्देश्य को ही कमजोर करती है।

मनेन्द्रगढ़ में कराओके सिंगिंग कॉन्टेस्ट 'तिनक धिन धा' का आयोजन

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,04 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ में स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सप्त सुरम ट्रस्ट द्वारा कराओके सिंगिंग कॉन्टेस्ट 'तिनक धिन धा' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन क्षेत्र के प्रतिभाशाली गायकों के लिए अपनी कला प्रस्तुत करने का एक अवसर होगा। कार्यक्रम की संयोजिका तनुश्री ने बताया कि प्रतियोगिता का ऑडिशन 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल (रिंग रोड) में आयोजित किया जाएगा, इसी दिन शाम 5 बजे से प्रतियोगिता का फिनाले विमल श्री सिनेप्लेक्स में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ज्योत्सना महंत उपस्थित रहेंगी, कार्यक्रम की अध्यक्षता रेणुका सिंह करेंगी, विशिष्ट अतिथि के रूप में रामनरेश राय शामिल होंगे।

अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम में डॉ. विनय जायसवाल सहित राजेंद्र बोंदिया,पूनम सिंह, दीपक अग्रवाल,गिरधारी लाल गुप्ता,सतीश गुप्ता,रघुनाथ पोद्दार,विजय कुमार अग्रवाल और राजेंद्र पंसारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

आयोजन समिति की सक्रिय भूमिका

कार्यक्रम के आयोजन में तरुण कुमार, शशि पूनम, अधिवक्ता शिव नारायण सोनी,बीरेंद्र प्रसाद,सीमा सूदन,डॉ. आलोक भट्टाचार्य,शैलेश जैन,शैलेंद्र स्वर्णकार, राम भगत अग्रवाल,राजेश कुमार जैन,नरोतम गुप्ता, शिवांश कुमार जैन,अमित जैन,पूनम सिंह,शबाना शेख एवं संध्या पाठक सहित कई लोगों की सक्रिय भागीदारी है।

प्रायोजकों का सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, विमल श्री सिनेप्लेक्स, साधना न्यूज़,ऑस्कर प्लाइवुड,अमित वीडियो विजन,माँ कामाख्या डेवलपर्स,श्री शांति संस उद्योग और शंकर ट्रेडिंग एजेंसी का सहयोग प्राप्त है।

स्थानीय प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

इस कराओके सिंगिंग कॉन्टेस्ट के माध्यम से मनेन्द्रगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के प्रतिभाशाली कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा,आयोजन का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान दिलाना और उन्हें आगे बढ़ने का मंच प्रदान करना है।

CMYK

पटना मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का सफल आयोजन

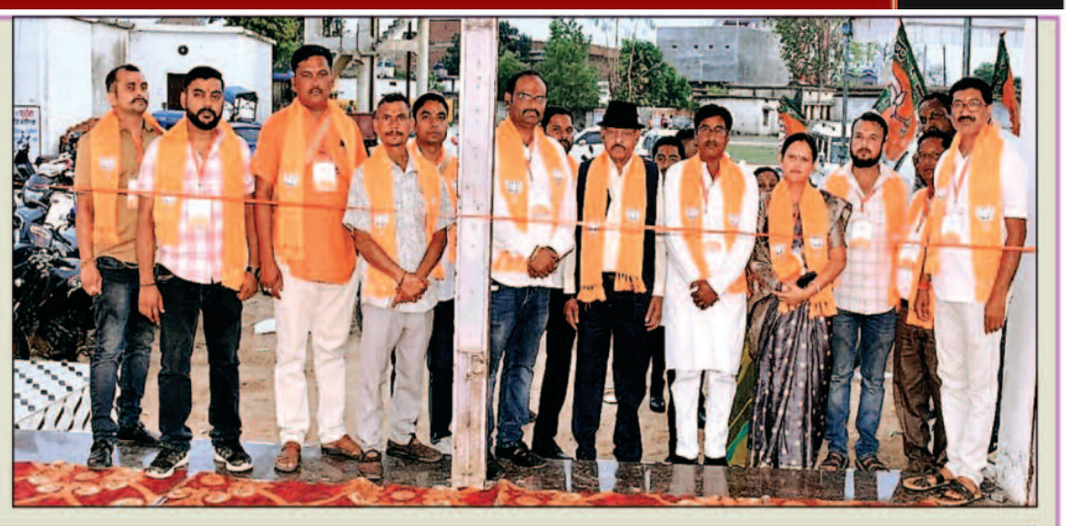

दो दिवसीय प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा,कार्यशैली और जनसेवा के मूल सिद्धांतों की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
कोरिया,04 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी मंडल पटना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का दो दिवसीय सफल आयोजन संपन्न हुआ, कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन बैकुंठपुर विधायक भैया लाल राजवाड़े द्वारा किया गया, कार्यक्रम में संयोजक श्रीमती गायत्री सिंह, सहसंयोजक गौरव अग्रवाल एवं मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव की उपस्थिति रही, मंच संचालन महामंत्री सत्यम साहू एवं सचिदानंद द्विवेदी द्वारा किया गया, यह दो दिवसीय प्रशिक्षण महाभियान संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने का महत्वपूर्ण माध्यम साबित हुआ। इससे पार्टी के जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय एवं मजबूत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

इस प्रशिक्षण महाभियान का मुख्य उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यशैली और जनसेवा के मूल सिद्धांतों से परिचित कराना रहा, कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में कार्यकर्ताओं को एकात्म मानववाद, संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, सामाजिक समरसता, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी

दो दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंडल के सभी प्रमुख पदाधिकारी,बूथ स्तर के कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे,सभी कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाई और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जनसेवा और संगठन के प्रति समर्पण पर जोर

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत पटना की अध्यक्ष गायत्री सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन के प्रति समर्पण और जनसेवा के महत्व को बताया,उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं और उन्हीं के माध्यम से योजनाएं आम जनता तक पहुंचती हैं।

महिला कार्यकर्ता का समर्पण बना प्रेरणा

कार्यक्रम के दौरान भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष चंद्रकली राजवाड़े अपने 6 माह के बच्चे को गोद में लेकर प्रशिक्षण में शामिल हुईं, उनके इस समर्पण और उत्साह की सराहना करते हुए जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया,यह दृश्य कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के लिए प्रेरणादायक रहा।

समापन अवसर पर दिया गया संदेश

समापन अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करते हैं, उन्होंने सभी से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी चुनावों में संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

आभार प्रदर्शन

कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी के सहयोग की सराहना की।

13.22 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

ग्रामीण क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र में 13.22 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया।

सड़क, पुल और जल संरचना पर फोकस

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विकासखंड ओड़गी एवं भैयाथान में तीन प्रमुख परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें सड़क,पुल और जल संरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं,इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी।

हरिहरपुर में पुल निर्माण का शुभारंभ

विकासखंड ओड़गी के ग्राम हरिहरपुर (छतरंग रोड) स्थित कागज नाला पर 419.37 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पुल का भूमिपूजन किया गया,इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा होगी,विशेषकर बरसात के मौसम में।

सांवरावा में जलाशय जीर्णोद्धार

भैयाथान विकासखंड के ग्राम सांवरावा में 136.23 लाख रुपये की लागत से जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य की शुरुआत की गई,इससे क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे।

परसापारा तक नई सड़क निर्माण

प्रतापपुर भैयाथान मुख्य मार्ग से परसापारा तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया,इस सड़क निर्माण पर 766.37 लाख रुपये की लागत आएगी,जिससे ग्रामीणों के लिए आवागमन और व्यापार दोनों सुगम होंगे।

मंत्री का बयान : विकास है सर्वोच्च प्राथमिकता

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि कृषि, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर रामसेवक पैकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि,प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

क्षेत्र के विकास की नई दिशा-

इन परियोजनाओं से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार आएगा, सड़क, पुल और जल संरचना के मजबूत होने से क्षेत्र विकास की नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रतापपुर के ग्रामों में विकास कार्यों की पड़ताल

जिला पंचायत सीईओ का औचक निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

प्रतापपुर जनपद क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत जानी। इस दौरान उन्होंने मनरेगा,प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, उन्होंने विभिन्न ग्रामों में चल रहे कार्यों की प्रगति,गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया,उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाए ताकि ग्रामीणों को वास्तविक लाभ मिल सके।

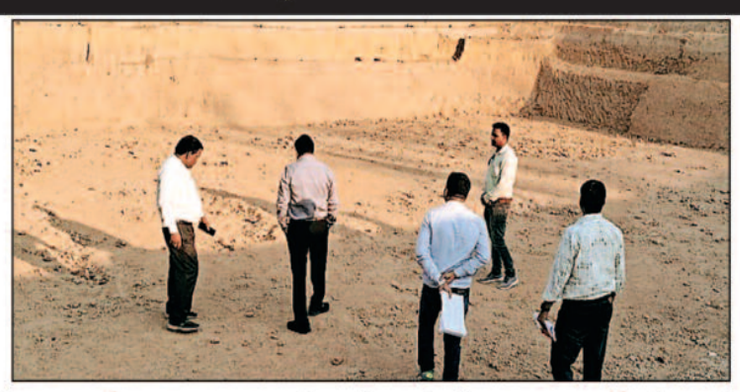

अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री पाटले ने कहा कि सभी विकास कार्यों का क्रियान्वयन गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए,उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य समयसीमा में पूर्ण हों गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचे,लापरवाही बरतने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी

प्रशासनिक टीम रही मौजूद

इस निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, डीएमसी श्री मनोज साहू,एसडीएम प्रतापपुर श्रीमती ललिता भगत, तहसीलदार श्री सुरेश राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे,इसके अलावा जनपद पंचायत सीईओ अनिल तिवारी,मनरेगा एवं पीएम आवास से जुड़े अधिकारी,पंचायत सचिव और रोजगार सहायक भी मौके पर मौजूद रहे।

योजनाओं की निगरानी से बढ़ेगी विकास की गति

जिला पंचायत सीईओ द्वारा किया गया यह औचक निरीक्षण न केवल योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन था, बल्कि यह सुनिश्चित करने की पहल भी थी कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं सही तरीके से धरातल पर उतरें, इस तरह के नियमित निरीक्षण से विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेजी से होगा।

मदन नगर में मनरेगा के तहत तालाब निर्माण का अवलोकन

निरीक्षण की शुरुआत ग्राम पंचायत मदन नगर से हुई, जहाँ मनरेगा के अंतर्गत निर्माणाधीन अटल/लालासाय तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया गया,सीईओ श्री पाटले ने कार्य की गुणवत्ता, निर्माण की गति और तकनीकी मानकों की जांच की, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए।

जगन्नाथपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना का जायजा

इसके बाद ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया गया, कोवलेश्वर,राजमाडी,रंजीता और सुरंती के आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधूरे आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए, उन्होंने यह भी कहा कि हितग्राहियों को समय पर सहायता मिले और निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

कनकनगर में स्कूल और पंचायत भवन की व्यवस्था का निरीक्षण

निरीक्षण के अगले चरण में ग्राम पंचायत कनकनगर में डीएवी स्कूल एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया गया, सीईओ ने वहां की व्यवस्थाओं, आधारभूत सुविधाओं और संचालन की स्थिति का जायजा लिया,उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि संस्थानों की व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया चिरमिरी में 15 बेड नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ

स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज निर्माण के लिए नशा मुक्त भारत अभियान जरूरी - स्वास्थ्य मंत्री

-संवाददाता-
एमसीबी,04 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 28 में 15 बेड के अत्याधुनिक नशा मुक्ति केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। समाज कल्याण विभाग के प्रयासों से स्थापित यह केंद्र नशा पीड़ित व्यक्तियों के उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास के लिए समर्पित रहेगा। यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार है,बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम भी है।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल (लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग), चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, समाज कल्याण विभाग के संचालक प्रभाकर कुमार द्विवेदी, उपसंचालक अंजना बैग तथा नशा मुक्ति केंद्र चिरमिरी के अधीक्षक अंकित खटीक सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्य अतिथि और जनप्रतिनिधियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साथ ही 15 बेड नशा मुक्ति केंद्र का मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण किया गया।

CMYK

आखिरी मुकाम तक पहुंचकर डिब्बा बंद हुई थी आमिर खान की फिल्म

34 साल पहले पर्दे पर आने वाली थी यह गजब कहानी

आमिर खान की कोई फिल्म डिब्बाबंद हो,ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता। हालांकि, परफेक्शनिस्ट के साथ ऐसा हो चुका है। 34 साल पहले उनकी शानदार कहानी वाली यह फिल्म 80त्न पूरी होने के बाद बंद हो गई थी।आमिर खान को बॉलीवुड का मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है। अपनी फिल्मों की स्क्रिप्ट से लेकर उसके गाने और डायलॉग्स तक, हर चीज में वह बारीकी का खास ध्यान रखते हैं। यही वजह है कि वह साल में सिर्फ एक बार आते हैं और बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाकर जाते हैं।

अपनी शानदार एक्टिंग और रिस्क-टेकिंग एबिलिटी के दम पर वह इंडस्ट्री के तीन बड़े खान अभिनेताओं में शामिल हैं। शायद यह इमेजिन करना भी मुश्किल होगा कि आमिर की कोई फिल्म कभी डिब्बाबंद हो सकती है। हालांकि, ऐसा हुआ है। लगभग 34 साल पहले आमिर खान ने एक मल्टीस्टारर फिल्म में काम किया था, जो अपने समय से काफी आगे की कहानी थी। लेकिन कुछ कारणों से यह फिल्म आखिरी मुकाम पर आकर बंद हो गई। ऐसा क्यों हुआ?

लगभग 34 साल पहले बन रही थी साइंस फिक्शन फिल्म

90 के दशक में जहां हर फिल्ममेकर रोमांटिक, एक्शन और हॉरर फिल्मों के पीछे दौड़ रहा था,वहीं उस दौर में मिस्टर

इंडिया जैसी सफल फिल्म के निर्देशक शेखर कपूर एक साइंस फिक्शन मूवी बनाने की प्लानिंग कर रहे थे। साल 1992 में शुरू हुई इस फिल्म का टाइटल टाइम मशीन था, जिसमें आमिर खान, रवीना टंडन, रेखा और नसीरुद्दीन शाह जैसे बड़े सितारे शामिल थे। इस फिल्म को बनाने में शेखर कपूर ने बहुत मेहनत की थी, लेकिन वह इस मूवी को सिनेमाघरों तक नहीं ला पाए। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म का 75 से 80 प्रतिशत शूट पूरा हो चुका था।

इस कारण आखिरी समय पर प्रोड्यूसर ने मान ली हार

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म एक साइंस-फिक्शन थी, ऐसे में इसमें स्पेशल इफेक्ट्स का काफी इस्तेमाल किया गया था, जिससे फिल्म का बजट बहुत ज्यादा बढ़ गया था। फिल्म के निर्माता सुरेश मल्होत्रा के पास पैसों की कमी हो गई थी और आखिरकार उन्हें इस प्रोजेक्ट से अपने हाथ खींचने पड़े। जब टाइम मशीन बंद होने की कगार पर थी,उसी समय निर्देशक शेखर कपूर भी अपनी फिल्म बैंडिट क्वीन और हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के लिए विदेश चले गए। इसी वजह से मूवी का आखिरी 20-25त्न काम कभी पूरा नहीं हो सका।

आमिर खान ने फीस छोड़कर बचाने की कोशिश की

आमिर खान ने इस फिल्म को बचाने और इसे सिनेमाघरों में ऑडियंस तक लाने के लिए काफी कोशिशें की थीं। यहां तक कि अभिनेता ने अपनी फीस तक छोड़ने की बात कह दी थी, लेकिन तब तक बात हाथ से निकल चुकी थी और मूवी को हमेशा के लिए डिब्बाबंद करना पड़ा। हालांकि, साल 2008 में शेखर कपूर ने इस प्रोजेक्ट को रणबीर कपूर के साथ दोबारा शुरू करना चाहा था, लेकिन तब भी बात नहीं बन पाई।

क्या थी इस फिल्म की कहानी?

टाइम मशीन की कहानी की बात करें तो यह एक ऐसे युवा लड़के पर आधारित थी, जो अनाथ था, लेकिन अपने माता-पिता के बारे में जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहता था। कहानी में एक वैज्ञानिक एक टाइम मशीन बनाता है, जिससे आमिर खान का किरदार 1990 के दशक से टाइम ट्रैवल करके 1960 के दशक में अपने माता-पिता से मिलने चला जाता है। अतीत में जाकर वह अपने माता-पिता से मिलता है, लेकिन वह उस समय में पहुंच जाता है, जब उसके माता-पिता की शादी भी नहीं हुई होती है। इस फिल्म में रेखा और नसीरुद्दीन शाह ने उनके माता-पिता का दिलचस्प किरदार अदा किया था।

रामायण में सुशांत सिंह राजपूत के लुक को देख इमोशनल हुए फैंस

एआई से बनी तस्वीर देख फैंस बोले...परफेक्ट राम

रणबीर कपूर स्टारर रामायण की चर्चा चारों तरफ है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर लोग इसके बारे में बातें करना बंद नहीं कर रहे हैं। रणबीर कपूर और नितेश तिवारी की रामायण पार्ट वन दीवाली 2026 पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है,और इसका दूसरा पार्ट अगली दीवाली पर आएगा। हाल ही में हनुमान जयंती पर इसका पहला लुक सामने आया। जिस पर लोगों का मिला-जुला रिएक्शन मिल रहा है। रामानंद सागर के मशहूर शो में भगवान लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले अभिनेता सुनील लहरी ने भी इस पर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

सुशांत सिंह राजपूत का लुक हो रहा वायरल

इसी बीच एआई ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भगवान राम के रूप में फिर से इमेजिन किया है,न कि रणबीर कपूर को। सुशांत की श्रीराम की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। जिन्हें देखकर उनके फैंस इमोशनल हो रहे हैं। एक ने लिखा, उनकी आंखें हमेशा दयालु होती थीं और उनके आस-पास एक शांति भरा माहौल रहता था। एक ने लिखा, मुझे लगता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम में भी यही गुण थे। तो हां, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। वह इस भूमिका के लिए एकदम सटीक साबित होते। वह सबसे बेहतरीन राम होते। सबसे बेहतरीन। एक ने लिखा, मैं इस बात से सहमत हूं कि वह ज्यादा बेहतर होते। एक यूजर ने कमेंट किया, इमेजिन करो कि सुशांत सिंह राजपूत रामायण में राम होते

रामायण के बारे में

नितेश तिवारी और नामित मल्होत्रा की रामायण की पहली झलक 2 मार्च को हनुमान जयंती के मौके पर सामने आई। फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल, रवि दुबे, यश जैसे शानदार कलाकारों की टुकड़ी है। फिल्म का पहला पार्ट दीवाली 2026 में और दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा।

ऐश्वर्या राय संग रेड कार्पेट पर चलने से डरते हैं अभिषेक बच्चन

खुद बताई वजह,बोले- ये सबसे बड़ा टास्क है...

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल्स में से हैं। यूं तो दोनों ही अपनी पर्सनल लाइफ को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करते हैं, लेकिन फिर भी फैंस की नजरें हमेशा इन पर टिकी रहती हैं। पिछले दिनों लगातार दोनों के बीच अनबन की अफवाहें जोरों पर रहीं। सोशल मीडिया पर दोनों के कई वीडियो भी सामने आए, जिसमें दोनों एक ही इवेंट को अलग-अलग अटेंड करते दिखे। हालांकि,बाद में दोनों को साथ देखकर इनके फैंस ने राहत की सांस ली। इस बीच अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने ये भी खुलासा किया कि उन्हें अपनी पत्नी यानी ऐश्वर्या के साथ रेड कार्पेट पर चलने से डर लगता है।

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में लिली सिंह के साथ बातचीत में अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी बात की। इसी दौरान उन्होंने बताया कि आखिर वह रेड कार्पेट पर पहुंचते ही इतने सीरियस क्यों हो जाते हैं। बातचीत के दौरान अभिषेक कहते हैं कि उन्हें ऐश्वर्या के साथ रेड कार्पेट पर चलने से डर लगता है, क्योंकि उन्हें ऐश्वर्या के बगल में खड़े होना सबसे बड़ा टास्क लगता है। जूनियर बच्चन के अनुसार, उन्हें रेड कार्पेट पर पहुंचने के बाद समझ ही नहीं आता कि अब उन्हें क्या करना है और कैसे पोज देना है।

फोटोग्राफर्स को देखकर परेशान हो जाते हैं अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन कहते हैं कि ऐश्वर्या के साथ रेड कार्पेट पर खड़े होने के बाद वह खुद को लकड़ी के टुकड़े जैसा महसूस करने लगते हैं और फोटोग्राफर्स को देखकर परेशान हो जाते हैं। अभिषेक कहते हैं- आपने मेरी वाइफ को देखा है? रेड कार्पेट पर उन्हें पोज करते देखा है? रेड कार्पेट पर चलना मेरे लिए बहुत मुश्किल काम है, बस यही बात है। और अगर उनके साथ रेड कार्पेट पर चलना पड़े तो ये और भी डरावना हो जाता है। उन्हें पता है कि कैसे चलना है, कैसे पोज करना है, कहां देखना है,वो प्रोफेशनल हैं।

64 साल पहले लता मंगेशकर को दिया गया था धीमा जहर

सिंगर को किससे मिला था धोखा?

लता मंगेशकर ने अपनी किताब लता मंगेशकर इन हर ओन वॉइस में जहर दिए जाने की घटना का जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने बताया था कि वह तीन महीने तक बिस्तर पर थीं। कई हिट गानों के साथ, मशहूर गायिका लता मंगेशकर ने हिंदी सिनेमा की सबसे मशहूर प्लेबैक सिंगर्स में से एक के तौर पर अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली थी, लेकिन साल 1962 उनके लिए सेहत से जुड़ी गंभीर चिंताएं और एक चौंकाने वाली खबर लेकर आया।

लता मंगेशकर को दिया गया था धीमा जहर

भारत रत्न लता मंगेशकर का 92 की उम्र में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया था। उनकी मृत्यु के साथ ही आठ दशकों तक चले एक शानदार करियर का भी अंत हो गया था। 60 के दशक में हुई जहर दिए जाने की घटना को याद करते

हुए, संगीत की इस महान हस्ती ने नसरिन मुन्नी कबीर को अपनी किताब लता मंगेशकर इन हर ओन वॉइस में बताया कि वह तीन महीने तक बिस्तर पर पड़ी रही थीं। किताब में मंगेशकर ने कहा, 1962 में,मैं लगभग तीन महीने तक बहुत बीमार रही। एक दिन,जब मैं सोकर उठी तो मुझे अपने पेट में बहुत बेचैनी महसूस हुई और फिर मुझे उल्टियां होने लगीं। यह बहुत भयानक था, उल्टी का रंग हरा था। डॉक्टर आए और वे अपने साथ घर पर ही एक्स-रे मशीन भी ले आए, क्योंकि मैं हिल-डुल भी नहीं पा रही थी। उन्होंने मेरे पेट का एक्स-रे किया और बताया कि मुझे धीरे-धीरे जहर दिया जा रहा है।

किसने दिया लता मंगेशकर को धोखा

यह चौंकाने वाली खबर सुनने के बाद उनकी बहन उषा सीधे रसोई में गई और सबको बताया कि उस पल से, नौकर के बजाय वह खुद खाना बनाएगी। लता ने बताया,जल्द ही,नौकर बिना किसी को बताए और बिना कोई तनख्वाह लिए चुपके से चला गया। तो हमें लगा कि किसी ने उसे वहां जान-बूझकर भेजा था। हमें नहीं पता था कि वह कौन था। मैं तीन महीने तक बिस्तर पर पड़ी रही और बहुत कमजोर हो गई थी।

हालांकि लता को कभी पता नहीं चल पाया कि इसके पीछे कौन था। ठीक होने के बाद मंगेशकर ने जो पहला गाना गाया, वह था बीस साल बाद फिल्म का कहीं दीप जले कहीं दिल,जिसे हेमंत कुमार ने संगीत दिया था। उस साल का यह जबरदस्त हिट गाना था, जिसने गायिका को उनका दूसरा फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया।लता मंगेशकर ने अपने करियर में 30,000 से ज्यादा गाने गाए। उन्हें बड़ा ब्रेक महल फिल्म के गाने आएगा आने वाला से मिला था। उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

खेल समाचार

पायल नाग ने शीतल देवी को दी मात

आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड मेडल जीता

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। भारत की पैरा आर्चरी को एक और स्टार मिल गई है। आर्चरी पैरा सीरीज 2026 के महिला कंपाउंड फाइनल में भारत की पायल नाग ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पायल ने मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर ही यह गोल्ड जीता। कांटे की टक्कर वाले फाइनल में पायल ने अपना संयम बनाए रखते हुए 139-136 से जीत हासिल की। यह इंटरनेशनल लेवल पर उनका पहला मेडल है।

पैरा आर्चरी में शीतल का कद काफी बड़ा

शीतल देवी और पायल नागा ने नॉकआउट राउंड में दमदार खेल दिखाया था। सेमीफाइनल में शीतल ने सिंगापुर की नूर शाहिदा अलीम को 147-142 से हराया, जबकि पायल ने ऐतिमोवा को 144-140 से मात देकर फाइनल में जगह पक्की की थी। पैरा आर्चरी में शीतल देवी का हालिय फॉर्म काफी दमदार रहा है। इसके बाद भी वह पायल के खिलाफ जीत हासिल नहीं कर पाईं। वर्ल्डआर्चरी ने शीतल को 2025 का पैरा आर्चर ऑफ द ईयर चुना था।

दो और फाइनल में उतरेंगी शीतल देवी

पायल और शीतल अब टीम के रूप में मैदान पर उतरेंगीं। महिलाओं की कंपाउंड टीम के फाइनल में भारत का मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ होना है। शीतल मिक्स्ड टीम इवेंट के गोल्ड मेडल मैच में भी हिस्सा लेने वाली हैं। वह तोमन कुमार के साथ इंडोनेशिया के खिलाफ मिक्स्ड टीम का गोल्ड जीतने के लिए मुकाबला करेंगे। पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत मुकाबले में श्याम सुंदर स्वामी ने रोमांचक शूट-ऑफ में अपने सीनियर साथी राकेश कुमार को बेहद करीबी अंतर से हराकर कांस्य पदक जीता। दोनों तीरंदाज 143 अंकों पर बराबरी पर थे, लेकिन टाईब्रेकर में स्वामी ने 10 के मुकाबले 9 अंकों से बाजी मार ली।

पूल ए के सब जूनियर महिला मैच में केरल हॉकी ने तेलंगाना हॉकी को 4-1 से हराया

रांची,04 अप्रैल 2026। 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के चौथे दिन,शनिवार को रांची,झारखंड में,डिवीजन सी में ले पुडुचेरी हॉकी और केरल हॉकी ने जीत हासिल की, जबकि डिवीजन बी में हॉकी हिमाचल,हॉकी यूनिट ऑफ़ तमिलनाडु और दिल्ली हॉकी ने अपने-अपने मैच जीते।एक प्रेस रिलीज़ के अनुसार,दिन के पहले मैच में,डिवीजन सी के पूल बी में,ले पुडुचेरी हॉकी ने हॉकी राजस्थान पर 10-0 से शानदार जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत में ले पुडुचेरी हॉकी के लिए ज्ञानेश्वरी गिराका (2, 25, 28, 48), चंचल (26, 54, 55), हरिदर्शनी (18),थारिणी एस (30) और कप्तान कनकश्री (47) ने गोल किए। डिवीजन सी के पूल ए के मुकाबले में,केरल हॉकी ने तेलंगाना हॉकी को 4-1 के स्कोर से हराया।

केरल हॉकी के लिए गोल करने वालों में परमेश्वरी पिनापोथुला (6, 10),निरंजना प्रदीप (20) और कप्तान रेशमा समद (48) शामिल थीं, जबकि तेलंगाना हॉकी के लिए एकमात्र गोल आनंदी महानंद (20) ने किया। गोवा हॉकी और हॉकी जम्मू और कश्मीर ने क्रमशः पूल ए और बी की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसके साथ 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 का डिवीजन सी चरण संपन्न हो गया। डिवीजन बी के पूल क्रमें, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। हॉकी चंडीगढ़ के लिए अन्नू (27, 37) ने दो शानदार गोल किए, जबकि हॉकी उत्तराखंड के लिए कप्तान मीनाक्षी (49) और गुनगुन कटारिया (60) ने गोल किए। डिवीजन बी के पूल बी के एक अन्य मैच में, हॉकी हिमाचल ने हॉकी कर्नाटक को 3-1 से हराया। जीतने वाली टीम के लिए शानवी शर्मा (20, 33) और आरुषि (7) ने गोल किए। हॉकी कर्नाटक के लिए एकमात्र गोल सरस्वती एच वाई (39%) ने किया।

हॉकी यूनिट ऑफ़ तमिलनाडु ने डिवीजन बी के पूल ए के अपने मैच में असम हॉकी पर 5-1 से शानदार जीत दर्ज की। हॉकी यूनिट ऑफ़ तमिलनाडु के लिए जोनिषाडेफनी एमजे (17, 42, 55) ने एक शानदार हैट्रिक बनाई,और कप्तान कनिष्का एसएस (24) और त्र स्वाति (36) ने भी गोल करके योगदान दिया। असम हॉकी के लिए कलिता चयनिका (8) ने एक गोल किया।दिन के आखिरी मुकाबले में, दिल्ली हॉकी ने दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी को 2-1 के स्कोर से हराया।दिल्ली हॉकी के लिए कप्तान दीपिका (5) और आशना कंबोज (42) ने गोल किए, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव हॉकी के लिए प्रिया (43) एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 66 रनों से हराया,ओडीआई सीरीज 2-1 से जीती

वेलिंगटन,04 अप्रैल 2026। न्यूजीलैंड ने तीसरे और आखिरी ओडीआई में दक्षिण अफ्रीका को हराकर सीरीज जीत ली, जिससे उसे ओडीआई महिला चैंपियनशिप 2025-2029 के लिए अहम पॉइंट्स भी मिले। ओडीआईकी वेबसाइट के मुताबिक, वेलिंगटन में 66 रनों की जीत हासिल करने के बाद,व्हाइट फर्न्स अब ओडीआई महिला चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, जिसके छह मैचों से 10 पॉइंट्स हैं; वहीं दक्षिण अफ्रीका छह पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। और जल्द ही, अयांडा ह्लुबी और तुमी सेखुखुने ने कीवी टीम को मुश्किल में डाल दिया, और मेजबान टीम 19 गेंदों के अंदर ही 3/3 के स्कोर पर आ गई। इसमें कप्तान एमी केर का विकेट भी शामिल था, जो पिछले ओडीआई में व्हाइट फर्न्स की रिकॉर्ड जीत की हीरो थीं; वह गोल्डन डक पर आउट हो गईं। इसके बाद मैडी ग्रीन और ब्रूक हॉलिडे ने मिलकर पारी को संभाला और 40 वें ओवर से पहले ही न्यूजीलैंड का स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया। उनकी 211 रनों की साझेदारी महिला ओडीआई में न्यूजीलैंड के लिए चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है, जिसने एमी सैटरथवेट और एमी के बीच 172 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया

करनदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज़ जापान में चौथे स्थान के लिए किया ज़ोरदार संघर्ष

चिबा,04 अप्रैल 2026। भारत के करनदीप कोचर को शनिवार को कैलेडोनियन गोल्फ क्लब में इंटरनेशनल सीरीज़ जापान के तीसरे राउंड के बाद टाईड-4 स्थान पर पहुँचने के लिए कड़ी मेहनत और दृढ़ता दिखानी पड़ी। एक रिलीज़ के अनुसार,लगातार दो बोगी-फ्री राउंड के बाद,भारतीय खिलाड़ी के लिए तीसरा राउंड मिला-जुला रहा; 5 बोगियों ने उनकी 3 बर्डियों को बेअसर कर दिया,जिससे उनका राउंड स्कोर 2-ओवर 73 रहा। उनका मौजूदा स्कोर 8-अंडर 205 है,जिसका मतलब है कि वह लीडर्स जापान के शुगो इमाहिरा और कोरिया के होंगटेक किम से दो शॉट पीछे हैं; ये दोनों ही इंटरनेशनल सीरीज़ के सीज़न ओपनर में 10-अंडर 203 के स्कोर पर हैं।

कोचर के लिए शुरुआत अच्छी रही, दूसरे होल पर उन्होंने एक बर्डी लगाई, लेकिन तीसरे और चौथे होल पर लगातार दो बोगियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। उन्होंने छठे होल पर एक और बर्डी लगाकर वापसी की कोशिश की,लेकिन 9वें और 12वें

होल पर फिर से शॉट गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने 14 वें होल पर बर्डी लगाई और 17 वें होल पर बोगी की,और दिन का स्कोर 2-ओवर दर्ज किया।इस बीच, कोरिया के होंगटेक किम ने लगातार तीसरे दिन बढ़त बनाए रखी। मैच के आखिरी चरणों में मुकाबला काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें जापान के शुगो इमाहिरा भी उनके साथ शीर्ष पर पहुँच गए।

किम, जिन्होंने राउंड की शुरुआत एक शॉट की बढ़त के साथ की थी, ने 1-ओवर-पार 72 का स्कोर किया और 10-अंडर पर पहुँच गए; उनके साथ उनके खेलने के साथी इमाहिरा भी 71 के स्कोर के साथ मौजूद हैं।टोक्यो के बाहर कैलेडोनियन गोल्फ क्लब में 71 का स्कोर करने के बाद कोरिया के यूबिन जंग एक शॉट पीछे हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस स्मिथ और भारत के करनदीप कोचर उनसे एक और शॉट पीछे हैं। स्मिथ ने इंटरनेशनल सीरीज़ के इस सीज़न के पहले इवेंट में 68 का स्कोर किया। इंटरनेशनल सीरीज़, एशियन टूर के इवेंट्स का एक उच्च-स्तरीय वर्ग है, जो इंटरनेशनल सीरीज़ रैंकिंग के माध्यम से एलआईवी गोल्फ लीग में पहुँचने का रास्ता प्रदान करता है। किम ने हवा वाले दिन भी अपनी बढ़त बनाए रखी,जबकि बैक नाइन में 10 वें,12 वें और 14 वें होल पर उन्होंने बोगी की, वहीं इमाहिरा,जैंग और स्मिथ सभी ने 18 वें होल पर बर्डी की।

दिल्ली कैपिटल्स 6 विकेट से जीती

नई दिल्ली,04 अप्रैल 2026। दिल्ली आज शाम आईपीएल के एक रोमांचक मैच में, दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी मज़बूत बैटिंग लाइनअप और स्ट्रेटेजिक गेमप्ले दिखाते हुए दो मुश्किल रन-चेज़ सफलतापूर्वक पूरे किए। डीसी की पारी के पहले दस ओवर मुंबई इंडियंस के अप्रोच जैसे ही थे, जिसमें एग्रेसिव स्ट्रोक प्ले और सोचे-समझे रिस्क ने रन रेट को ज़्यादा रखा और कम से कम विकेट खोए। डीसी के ओपनर्स ने ज़ोरदार शुरुआत के साथ माहौल बनाया, स्ट्राइक को अच्छे से रोटेट किया और लूज़ गेंदों पर दबाव बनाया। शुरुआती ओवरों में उनका परफॉर्मेंस एमआई की पारी जैसा ही था, जिसमें वैसे ही शॉट सिलेक्शन और विकेटों के बीच दौड़ दिखाई दी। पावरप्ले के आखिर तक, डीसी ने एक कॉम्पिटिटिव रन रेट बनाए रखा, और बीच के ओवरों के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार कर लिया।

रायपुर में जनगणना शुरू...घर के बाहर लिखे जा रहे नंबर,आपसे पूछे जाएंगे ये सवाल

रायपुर,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में जनगणना का महाभियान आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। शहर के वार्डों में कर्मचारियों ने मकानों के बाहर नंबर लिखने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। अगर आपके घर के बाहर भी अचानक कोई लाल या काले रंग से नंबर लिख रहा है,तो चौंकिए मत यह जनगणना की पहली सीढ़ी है। इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और प्रशासन ने इसके लिए कमर कस ली है।

हर घर से पूछे जाएंगे 33 सवाल

दरअसल, इस बार जनगणना सामान्य नहीं होगी। मकानों की नंबरिंग के बाद कर्मचारी आपके घर पहुंचेंगे और कुल 33 सवालों की लिस्ट के साथ आपसे जानकारी मांगेंगे।

- दीवार और फर्श किस सामग्री से बना है?
- घर में बिजली,पानी, शौचालय और इंटरनेट है या नहीं?
- आपके पास लैपटॉप,स्मार्टफोन या रेडियो है?
- आपके पास कौन सी गाड़ियां (साइकिल, स्कूटर या कार) हैं?
- खाना पकाने के लिए किस ईंधन (गैस या अन्य) का इस्तेमाल करते हैं?

गौरतलब है कि सिर्फ रायपुर जिले में इस काम के लिए 5700 कर्मचारियों को मैदान में उतारा गया है। इसमें सरकारी स्कूलों के शिक्षक और राजस्व विभाग का स्टाफ शामिल है। पूरे छत्तीसगढ़ में करीब 65 हजार प्रगणक इस ड्यूटी में जुटे हैं। सूत्रों ने बताया कि एक कर्मचारी को औसतन 150 से 200 घरों का डिजिटल डेटा मोबाइल ऐप पर रियल-टाइम अपलोड करना होगा। बता दें कि एक तरफ जनगणना का काम जोरों पर है,तो दूसरी तरफ ड्यूटी से बचने के लिए निगम दफ्तरों में आवेदनों का ढेर लग गया है। कोई बीमारी का हवाला दे रहा है तो कोई छोटे बच्चों का। हालांकि,प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि बिना भौतिक सत्यापन के किसी की ड्यूटी नहीं कटेगी। लापरवाही बरतने वालों पर कड़ाई की जाएगी। बता दें कि पहली बार देश की जनगणना पूरी तरह डिजिटल मोड में हो रही है। रायपुर के नवा रायपुर, नगर निगम और तहसील क्षेत्रों के लिए अलग-अलग चार्ज ऑफिसर तैनात किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ से माओवादी आतंक का अंत,अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं,हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है : सीएम साय

रायपुर,04 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के 31 मार्च 2026 को माओवादी आतंक से मुक्त होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शहीद जवानों,बस्तर की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र,सुरक्षा बलों और बस्तर की जनता के सामूहिक संकल्प का परिणाम है। उन्होंने सर्वप्रथम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसपूर्ण और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया,जिनके मार्गदर्शन, संकल्प और सतत प्रेरणा ने माओवादी हिंसा के विरुद्ध इस निर्णायक अभियान को दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए उस संदेश को भी स्मरण किया,जिसमें उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़ने का आह्वान करते हुए युवाओं से मानवता के दृष्टिकोण से सोचने की प्रेरणा दी थी। मुख्यमंत्री साय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्हें माओवादी उन्मूलन की रणनीति का प्रमुख शिल्पी बताया। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने रायपुर में 31 मार्च 2026 तक माओवाद समाप्त करने का संकल्प लिया था,

जिसे पूरी दृढ़ता के साथ पूरा किया गया। उनके नेतृत्व में सुरक्षा बलों को स्पष्ट दिशा, आवश्यक संसाधन और निरंतर प्रोत्साहन मिला, साथ ही उन्होंने यह स्पष्ट संदेश दिया कि हिंसा का उत्तर दृढ़ता से दिया जाएगा, जबकि शांति का मार्ग अपनाने वालों का स्वागत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार ने उन लोगों का स्वागत किया है, जिन्होंने माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास जताया है,और यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियान का परिणाम नहीं बल्कि विश्वास, पुनर्वास और विकास के समन्वित प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि जनता के विश्वास की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में एक नया अध्याय प्रारंभ हो चुका है। जहां बच्चे निर्भय होकर विद्यालय जाएंगे, माताएं और बहनें स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकेंगी और विकास का प्रकाश हर गांव तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है। इसी विश्वास और संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर है।

शहीदों के बलिदान से लिखी गई बस्तर की नई कहानी : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने शहीद जवानों के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके सर्वोच्च बलिदान ने इस ऐतिहासिक सफलता की नींव रखी है। साथ ही उन्होंने सुरक्षा बलों के उन बहादुर जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया,जिन्होंने साहस और संकल्प के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना माओवाद की जड़ों पर प्रहार किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर की जनता के प्रति भी विशेष कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास ही इस परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत बना। उन्होंने उस दौर को याद किया जब मतदान करने पर उंगली काटने की धमकियां दी जाती थीं, इसके बावजूद लोगों ने निर्भय होकर लोकतंत्र को मजबूत किया। यही जनविश्वास एक ऐसे नेतृत्व को स्थापित करने में निर्णायक सिद्ध हुआ,जिसने एक दशक के भीतर इस चुनौती का समाधान किया। हिंसक माओवादी विचारधारा ने वर्षों तक अनगिनत परिवारों को पीड़ा दी - मांओं की कोख उजड़ी, बहनों का सुहाग छिना और मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, जबकि देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए हजारों जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी,यह संघर्ष केवल सुरक्षा बलों का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के आत्मबल और संकल्प का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद माओवादी हिंसा के विरुद्ध एक निर्णायक और सुनियोजित रणनीति पर कार्य प्रारंभ हुआ, जिसके परिणामस्वरूप देश के कई राज्य इस चुनौती से मुक्त हुए, हालांकि छत्तीसगढ़ और उसके पड़ोसी क्षेत्रों में यह समस्या बनी रही। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से राज्य में डबल इंजन सरकार के गठन के बाद पिछले ढाई वर्षों में सामूहिक संकल्प के बल पर इस सशस्त्र माओवादी नासूर का समूल नाश संभव हो सका।

वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली और भारत मजबूती से बाहर निकला : विदेश मंत्री जयशंकर

रायपुर,04 अप्रैल 2026। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा, हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर शनिवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नया रायपुर स्थित परिसर में 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों के 552 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई,जिनमें प्रमुख एमबीए प्रोग्राम के 314,एग्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के 230 और 8 डॉक्टरेट शोधार्थी शामिल थे। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, स्नातक होने वाले इस बैच को खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए। क्योंकि यह उस पीढ़ी का हिस्सा है जो 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियत है। आप एक दशक की ठोस प्रगति और विकास के लाभार्थी हैं। आपको तकनीक और सूचना तक

विदेश मंत्री बोले- तेजी बदल रहा दुनिया

एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। देशों के बीच ताकत का संतुलन बदल रहा है। तकनीक, ऊर्जा और संसाधनों के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। ऐसे में देशों और कंपनियों को अब जोखिम कम करने, विविधता लाने और नए विकल्प खोजने पर ध्यान देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में आज आशावाद का माहौल है, जो दुनिया के कई हिस्सों में नहीं दिखता। इसका कारण पिछले 10 साल की प्रगति है। उन्होंने डिजिटल क्रांति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने इसे सिर्फ अपनाया ही नहीं, बल्कि जीवन में प्रभावी तरीके से लागू भी किया है।

वह पहुंच प्राप्त हुई है,जिसकी कल्पना एक पीढ़ी पहले करना भी असंभव था। यही नहीं आप वैश्वीकरण के उस युग में बड़े हुए हैं, जिसने आपको शेष विश्व के साथ बहुत गहराई से जोड़ा है। आज भारत अपनी विकास यात्रा में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है और आपका यह समूह उन लोगों में शामिल होगा जो इस प्रयास का नेतृत्व करेंगे। आपके कौशल हमारे राष्ट्र को समृद्धि की खोज में आगे ले जाने में मदद करेंगे। विदेश मंत्री ने कहा,यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि आज भारत में स्नातक होने वालों की संभावनाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल हैं। वास्तव में, हमारे समाज में एक ऐसा आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। अब आप पूछ सकते हैं कि ऐसा क्यों है?

आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' पर जोर देते हुए कहा कि खाद्य, स्वास्थ्य, ऊर्जा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी क्षमता मजबूत करना जरूरी है। जहां खुद करना संभव न हो, वहां भरोसेमंद साझेदारी जरूरी है। व्यापार को आसान बनाने, बेहतर माहौल और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे हाईवे, रेलवे, पोर्ट, एयरपोर्ट और जलमार्ग देश को आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही डिजिटल टूल्स और नेतृत्व से सुशासन मजबूत हुआ है और लोगों का जीवन आसान बनाना लगातार जारी प्रक्रिया है।

शायद इसलिए,क्योंकि पिछले दस वर्ष बहुत बेहतर रहे हैं, जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि अगले दस वर्ष और उसके बाद का समय भी वैसा ही होगा। आखिर हम अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि हाल के कई वैश्विक झटकों ने हमारी लचीलेपन की परीक्षा ली है और भारत उससे मजबूती से बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी दोनों चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। आईआईएम रायपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा, 2026 के बैच, आप गहरे वैश्विक बदलाव के क्षण में स्नातक हो रहे हैं।

शिक्षक को हाईकोर्ट से मिली राहत... आपराधिक कार्रवाई का आदेश रद्द

बिलासपुर,04 अप्रैल 2026। हाईकोर्ट ने शिक्षक के खिलाफ फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र पेश करने के आरोप में आपराधिक कार्रवाई प्रारंभ किए जाने के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अदालतें चिकित्सा क्षेत्र की विशेषज्ञ संस्थाएं नहीं है। फिर भी उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा करने का अधिकार प्राप्त है,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह प्रक्रिया निष्पक्ष,पारदर्शी और स्थापित कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप हो। तथापि,जिन मामलों में चिकित्सा विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है,उनमें उन्हें 'दिव्यांगता मूल्यांकन बोर्ड' जो कि इस संदर्भ में एक सक्षम प्राधिकारी है,उनके द्वारा दी गई राय को उचित सम्मान देना चाहिए और अंततः उसी पर निर्भर रहना चाहिए। इस गंभीर टिप्पणी के साथ कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक प्रकरण चलाने के आदेश को रद्द किया है। याचिकाकर्ता लखन बिहारी पटेल सहायक अध्यापक (एलबी) के पद में महासमुंद जिला में कार्यरत है। उसे सुनने में दिक्कत थी,इस पर 10 अगस्त 2010 को मेडिकल बोर्ड के सामने पेश हुआ और सही जांच में पाया गया कि उसे 45.4% कंडक्टिव हियरिंग लॉस है,जिसके आधार पर उसके फेवर में डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट जारी किया गया।

उस सर्टिफिकेट के आधार पर याचिकाकर्ता ने शिक्षाकर्मी ग्रेड 3 की पोस्ट के लिए अप्लाई किया और सही सिलेक्शन प्रोसेस से गुजरने के बाद वह साल 2010 से उस पोस्ट पर काम कर रहा है। पारिवारिक विवाद पर याचिकाकर्ता के भाई कैलाश चंद्र पटेल ने 12 दिसंबर 2017 को कलेक्टर महासमुंद के समक्ष शिकायत की। शिकायत में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने गलत दिव्यांगता प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी हासिल किया है। कलेक्टर महासमुंद ने शिकायत की जांच के लिए एसडीओ राजस्व सरायपाली को निर्देश दिया। जांच के बाद याचिकाकर्ता के खिलाफ 27.01.2018 को रेवेन्यू केस रजिस्टर किया गया, पार्टियों को नोटिस जारी किए गए, जवाब व मेडिकल जांच के आधार पर डॉक्यूमेंट्स के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया और याचिकाकर्ता के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की अनुशंसा की गई। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका पेश की।

कांग्रेस पदाधिकारियों पर सरकारी-जमीन की अवैध खरीद-बिक्री के आरोप,जांच शुरू

रायपुर,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के आरंग इलाके में सरकारी जमीन की कथित अवैध खरीद-बिक्री का मामला सामने आया है। आरोप कांग्रेस से जुड़े पदाधिकारियों पर लगे हैं, जिन पर पंचायत स्तर से जमीन का पट्टा बनाकर उसे अपने लोगों के नाम कराने का आरोप है। मामले की शिकायत मंदिरहसौद थाना क्षेत्र में की गई है और प्रशासनिक जांच शुरू हो चुकी है। आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोढ़ी में सरकारी जमीन को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। आरोप है कि पंचायत के प्रस्ताव के जरिए शासकीय जमीन को निजी नामों पर दर्ज कर दिया गया और बाद में उसकी खरीदी-बिक्री भी की गई। बीजेपी का दावा है कि इस पूरे मामले में पंचायत के तत्कालीन सचिव, सरपंच और उपसरपंच की भूमिका संदिग्ध है और उन्होंने मिलकर जमीन का अवैध आवंटन किया। बीजेपी प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कण्डेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि पूर्व सरपंच गोपाल धीवर, जो अभी कांग्रेस के सेक्टर प्रभारी हैं, ने अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि गोपाल धीवर ने अपनी पत्नी,जो जनपद सदस्य हैं,के जरिए जमीन से जुड़ा प्रस्ताव पास करवाया। आरोप है कि प्रगति मिश्रा के नाम करीब 4 एकड़ सरकारी जमीन दर्ज कर दी गई। साथ ही, कांग्रेस पार्षद अनुज मिश्रा को 20 साल से कब्जा दिखाकर जमीन आवंटित कर दी गई।

भिलाई में 2 स्टूडेंट्स ने लगाई फांसी

11वीं की छात्रा ने लिखा-सॉरी मम्मी-पापा,अब कभी परेशान नहीं करूंगी

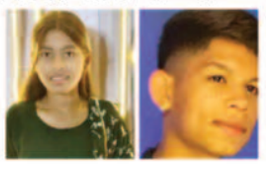

दुर्ग-भिलाई,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में शनिवार को 2 स्टूडेंट्स ने फांसी लगाकर सुसाइड किया है। इसमें एक 11वीं की छात्रा वीणा ठाकुर है, जो अपने घर में फंदे पर झूलती मिली। उसने सुसाइड नोट में सॉरी मम्मी-पापा लिखा है और कहा कि,अब कभी परेशान नहीं करूंगी। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। वहीं,रूंगटा कॉलेज में बीसीए की पढ़ाई कर रहे 19 साल के छात्र ने भी सुसाइड कर लिया। मामला स्मृति नगर चौकी क्षेत्र का है। दोनों ही मामले में आत्महत्या की वजह अब तक साफ नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि बच्चों के सुसाइड मामले में जिले में 15 दिन में यह तीसरी घटना है।

नकल के लिए जबरदस्त जुगाड़! चप्पल में मोबाइल छिपाकर दे रहा था जेईई मेंस की परीक्षा,गार्ड की पारखी नजर को नहीं दे सका चकमा

दुर्ग,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से नकल का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसे सुनकर पुलिस और परीक्षा केंद्र के अधिकारी भी दंग रह गए। पुरानी भिलाई में आयोजित जेईई मेंस की परीक्षा के दौरान एक छात्र ने अपनी चप्पल के भीतर मोबाइल फोन छिपाकर नकल करने की कोशिश की। हालांकि,सुरक्षा गार्ड की मुस्तैदी ने छात्र के इस कारनामे का भंडाफोड़ कर दिया। दरअसल, आरोपी छात्र आदित्य गुरुवार सुबह पहली पाली की परीक्षा देने पहुंचा था। उसने मेटल डिटेक्टर से बचने के लिए मुख्य गेट पर ही चालाकी

से अपनी चप्पलें उतार दी थीं। शुरुआती जांच में वह बच निकला और हॉल में जाकर बैठ गया। बताया जा रहा है कि असली ड्रामा सुबह 11:08 बजे शुरू हुआ जब छात्र वॉशरूम जाने के बहाने बाहर निकला। वापस लौटते समय जब उसने दोबारा चप्पल पहनी,तो वह उन्हें अजीब तरह से घसीटकर चल रहा था। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड को उसकी चाल संदिग्ध लगी।

गौरतलब है कि जब गार्ड ने छात्र को रोककर उसकी चप्पलों की बारीकी से तलाशी ली, तो होश उड़ गए। चप्पल के तलवे को बीच से काटकर उसके अंदर मोबाइल फोन को बड़ी सफाई से फिट किया गया था। बाहर से देखने पर चप्पल बिल्कुल सामान्य लग रही थी, लेकिन उसका वजन और चलने का तरीका अलग था। बता दें कि घटना की सूचना मिलते ही केंद्र के वेन्यू कमांडिंग ऑफिसर और एनटीए के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मोबाइल जब्त किया। आरोपी छात्र को तुरंत पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुरानी भिलाई पुलिस ने छात्र के खिलाफ छत्तीसगढ़ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चप्पल घसीट कर चल रहा था परीक्षार्थी

जांच के बाद जैसे ही उसने चप्पल पहनी और लैब की तरफ बढ़ने लगा, गार्ड की नजर उसकी चाल पर पड़ी। वह अपनी चप्पलों को जमीन पर घसीटकर अजीब तरीके से चल रहा था। गार्ड को उसकी हरकत संदिग्ध लगी, जिसके बाद उसने छात्र को रोककर उसकी चप्पलों की बारीकी से जांच की।

चप्पल के अंदर मिला मोबाइल,पुलिस को बुलाया

जब गार्ड ने चप्पल चेक की तो उसमें मोबाइल मिला। छात्र ने चप्पल के तलवे को बीच से काटकर उसमें मोबाइल रखने के लिए एक खास जगह बनाई थी। चप्पल के अंदर मोबाइल पूरी तरह छिपा हुआ था। इसकी सूचना तुरंत कॉलेज के वेन्यू कमांडिंग ऑफिसर अजीत वर्मा और एनटीए के अधिकारियों को दी गई।

28 साल पुराने गृह निर्माण घोटाले में एक्शन....

सहकारी आवास संघ के तत्कालीन प्रबंधक गिरफ्तार

रायपुर,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में करीब 28 साल पुराने गृह निर्माण ऋण गबन प्रकरण में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एंटी करप्शन ब्यूरो में दर्ज अपराध क्रमांक 19/2000 के तहत शनिवार, 4 अप्रैल 2026 को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में प्रदीप कुमार निखरा, जो सहकारी आवास संघ मर्यादित भोपाल के तत्कालीन प्रबंधक थे, को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले 18 मार्च 2026 को दो अन्य आरोपी थावरदास माधवानी और बसंत कुमार साहू को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। जबकि प्रकरण के दो अन्य नामजद आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है। जांच में सामने आया कि वर्ष 1995 से 1998 के दौरान शासन की आवासीय योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को मकान निर्माण के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता था। इसी योजना का दुरुपयोग करते हुए

'आधुनिक गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रायपुर' के 186 सदस्यों के नाम पर 1-1 लाख रुपए के हिसाब से कुल 1 करोड़ 86 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत कराया गया।

भौतिक सत्यापन के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जिन स्थानों पर मकान निर्माण दर्शाया गया था, वहां न तो कोई मकान मिला और न ही संबंधित ऋणधारी मौजूद पाए गए। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कूटरचित दस्तावेज, फर्जी प्रमाण पत्र और आपराधिक षड्यंत्र के जरिए पूरी राशि का गबन किया गया।

जग्गी हत्याकांड...हाईकोर्ट से दोषी करार दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अमित जोगी,दाखिल की विशेष अनुमति याचिका,जल्द हो सकती है सुनवाई

बिलासपुर,04 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद पूर्व विधायक अमित जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई है। इस मामले की सुनवाई सोमवार को होने की संभावना है। गुरुवार को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए अमित जोगी को दोषी करार दिया था और तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया था। हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा पेश की गई 11,000 पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट और सबूतों के आधार पर यह अहम फैसला सुनाया।

2003 में हुई थी एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की हत्या

मामला 4 जून 2003 का है, जब रायपुर में तत्कालीन एनसीपी कोषाध्यक्ष राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान यह पता चला कि हत्या के पीछे राजनीतिक और आपराधिक साजिश थी।

वारदात को अंजाम देने के लिए सुपारी देकर शूटरों को लगाया गया था। जांच के दौरान कुछ पुलिस अधिकारियों पर भी साक्ष्य छिपाने और फर्जी गवाह खड़े करने के आरोप लगे थे। वर्ष 2007 में विशेष अदालत ने कुल 28 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई, जबकि अमित जोगी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था। इसके बाद राम अवतार जग्गी के परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को इस मामले में पुनः सुनवाई का निर्देश दिया, जिसके बाद हाईकोर्ट ने अमित जोगी को दोषी करार दिया। अमित जोगी ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके साथ न्याय नहीं हुआ। उन्होंने हाईकोर्ट के निर्णय पर खेद जताया और कहा कि वे पूरी आस्था और धैर्य के साथ सुप्रीम कोर्ट में न्याय की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सत्य की जीत अवश्य होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)